मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्षः 7 अंक 315
सोमवार, 09 जून 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

एनडीए सरकार ने 11 वर्षों में महिला-नेतृत्व वाले विकास को नए सिरे से परिभाषित किया: प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली, 08 जून। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि पिछले 11 वर्षों के दौरान भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार की कई पहलों ने किसानों की समृद्धि को बढ़ावा दिया है और कृषि के परिवर्तन को सुनिश्चित किया है, उन्होंने अपनी सरकार के ह्लकिसान समर्थकह्व कार्यक्रमों के दूरगामी प्रभाव को रेखांकित किया।

अपनी सरकार के तीसरे कार्यकाल की पहली वर्षगांठ मनाने से एक दिन पहले, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार (8 जून, 2025) को कहा कि सत्तारूढ़ भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ने अपने 11 वर्षों के कार्यकाल में महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास को फिर से परिभाषित किया है। नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि उनके कार्यकाल के पिछले 11 वर्षों के दौरान की गई पहलों से किसानों की समृद्धि बढ़ी है और कृषि क्षेत्र में समग्र बदलाव सुनिश्चित हुआ है। उन्होंने वादा किया कि किसानों के कल्याण के लिए उनकी सरकार के प्रयास आने वाले समय में और अधिक जोश के साथ जारी रहेंगे।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपनी सरकार के तीसरे कार्यकाल का एक साल पूरे होने से एक दिन पहले रविवार को कहा कि सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने अपने 11 साल के कार्यकाल में महिला नीत विकास को पुनः परिभाषित किया है। प्रधानमंत्री मोदी ने ह्यएक्सह्न पर कहा कि विज्ञान, शिक्षा, खेल, स्टार्टअप और सशस्त्र बलों सहित सभी क्षेत्रों में महिलाएं उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं और लोगों के लिए प्रेरणा बन रही हैं।

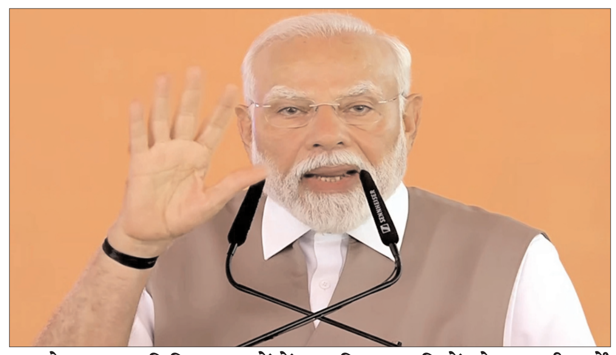

उन्होंने कई कल्याणकारी कार्यक्रमों का हवाला देते हुए कहा कि इनसे महिलाओं को काफी लाभ हुआ है। प्रधानमंत्री ने कहा कि स्वच्छ भारत के माध्यम से गरिमा सुनिश्चित करने से लेकर जन धन खातों के जरिए वित्तीय समावेशन तक, विभिन्न पहलों में महिलाओं को सशक्त बनाने पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

उन्होंने कहा कि जहां धुआं मुक्त रसोई प्रदान करते हुए उज्ज्वला योजना के माध्यम से गरीब परिवारों को गैस सिलेंडर मिले, वहीं मुद्रा ऋण ने लाखों महिला उद्यमियों को खुद की शर्तों पर अपने सपने पूरे करने में सक्षम बनाया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना में महिलाओं के नाम पर बने घरों ने भी उल्लेखनीय प्रभाव डाला है। मोदी ने कहा कि बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम ने बालिकाओं की सुरक्षा के लिए एक राष्ट्रीय आंदोलन की लौ जगाई। प्रधानमंत्री ने सरकार द्वारा संचालित उन पहलों संबंधी पोस्ट भी साझा किए जिनमें सरकारी योजनाओं द्वारा महिलाओं को दिए गए लाभों को सूचीबद्ध किया गया। इन पोस्ट में कहा गया है कि देश में जीवित जन्मों (लाइव बर्थ) पर मातृ मृत्यु अनुपात (एमएमआर) 2011-13 में प्रति लाख 167 से घटकर 2019-21 में प्रति लाख 93 हो गया और नल से जल प्राप्त करने वाले घरों की संख्या अगस्त 2019 में 3.23 करोड़ से बढ़कर मई 2025 में 15.64 करोड़ हो गई।

ऑपरेशन सिंदूर पर राजनीति कर रहे हैं कांग्रेस नेता: अनुप्रिया पटेल

नई दिल्ली, 08 जून। केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल ने रविवार को ऑपरेशन सिंदूर पर कथित तौर पर राजनीति करने के लिए कांग्रेस नेताओं की कड़ी आलोचना की और कहा कि यह मुद्दा देश की सुरक्षा और सम्मान से जुड़ा है और इसका राजनीतिकरण नहीं किया जाना चाहिए। पत्रकारों से बात करते हुए पटेल ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर देश की सुरक्षा और सम्मान से जुड़ा मामला है। कांग्रेस नेता इस विषय पर बेवजह राजनीति कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हाल ही में जब भारत का संसदीय प्रतिनिधिमंडल विदेशी देशों के दौरे पर गया तो उन्हें आतंकवाद के खिलाफ भारत के रुख के लिए व्यापक समर्थन मिला।

अनुप्रिया पटेल ने कहा कि जिन देशों में हमारे सांसदों का प्रतिनिधिमंडल गया, उन्होंने न केवल आतंकवाद के खिलाफ भारत की नीति की सराहना की है, बल्कि यह भी स्पष्ट रूप से कहा है कि वे आतंकवाद के मोर्चे पर भारत के साथ खड़े हैं। पटेल ने दावा किया कि विश्व ने आतंकवाद के प्रति भारत की कड़ी प्रतिक्रिया को मान्यता दी है। उन्होंने कहा, ₹भारत ने आतंकवाद के खिलाफ बड़ी और सोची-समझी कार्रवाई की है। आज दुनिया के सभी देश इससे प्रभावित हैं और इसकी सराहना कर रहे हैं। हमें राष्ट्रीय सुरक्षा के विषय पर एक साथ खड़े होने की जरूरत है।

उतर प्रदेश में कांग्रेस अकेले अपने दम पर लड़ेगी पंचायत चुनाव: अजय राय

लखनऊ, 08 जून। कांग्रेस की उतर प्रदेश इकाई के अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि उनकी पार्टी आगामी पंचायत चुनाव अकेले अपने दम पर लडेगी। राय ने कहा कि हर बूथ पर कार्यकताओं को मजबूत किया जायेगा और हमारे जितने भी बहादूर साथी हैं, उन्हें पचायत चुनाव में उम्मीदवार बनाया जाएगा। प्रदेश अध्यक्ष ने यह भी कहा ,जो साथी चुनाव जीतकर या ज्यादा से ज्यादा चुनाव जिताकर आयेंगे, उन्हे विधानसभा चुनाव मेंमौका दिया जाएगा। यहां स्थानीय सांसद इमरान मसूद के आवास पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए राय ने कहा , हमारा कार्यकर्ता प्रदेश के बूथ पर काम करता है, जिले में और ब्लाक में काम करता है, उसे हम ताकतवर बनायेंगे।

उन्होंने कहा कि पंचायत चुनाव में ताकत दिखाने के बाद आगे की रणनीति राष्टीय नेतृत्व तय करेगा। उन्होने कहा, आज मैं अपने लोकप्रिय सांसद बहादूर साथी इमरान मसूद जी को इद उल अजहा की दिली मुबारकबाद देने और उनकी मंगलकामना के लिये आया हूं। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा, हमें अपनी ताकत को और बढाना है अभी राहुल जी को लेकर प्रदेश में छह सांसद हैं और दो विधायक हैं,हमें और ताकत बढानी है। राय ने 2022 के विधानसभा चुनाव का हवाला देते हुए दावा किया , सिराथू में उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ही चुनाव हरवाया, इसकी मेरे पास जानकारी है। उन्होंने मौर्य को चुनाव जीतने के लिए सीट बदलने की सलाह दी।

आतंकवाद के मुद्दे पर यूरोप भारत के साथ खड़ा है: रविशंकर प्रसाद

नई दिल्ली, 08 जून। भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद के नेतृत्व में सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल छह यूरोपीय देशों के राजनयिक दौरे के बाद रविवार को दिल्ली लौटा, इस दौरान सांसदों ने आतंकवाद पर भारत की स्थिति को मजबूती से व्यक्त किया और पहलगाम आतंकी हमले तथा ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से भारत की प्रतिक्रिया के बारे में अपने समकक्षों को जानकारी दी।

राष्ट्रीय राजधानी पहुंचने पर पत्रकारों से बात करते हुए प्रसाद ने कहाः भारत वापस आकर बहुत अच्छा लग रहा है। हमारे प्रतिनिधिमंडल ने फ्रांस, इटली, डेनमार्क, इंग्लैंड, ब्रुसेल्स और जर्मनी का दौरा किया। हमने संसद के वरिष्ठ नेताओं, थिंक-टैंक और भारतीय समुदाय से मुलाकात की। पहलगाम में हुए आतंकी हमले को लेकर विदेशी देशों में काफी गुस्सा है और सभी देशों ने इसकी निंदा की है। हम यूरोपीय संसद भी गए। भारतीय समुदाय हमसे मिलने के लिए बहुत उत्साहित था। भारत और यूरोप के बीच एक नया रिश्ता स्थापित होने जा रहा है। यह एक बहुत ही संतोषजनक यात्रा थी।

बर्लिन में प्रतिनिधिमंडल ने विदेश मंत्री जोहान वेडफुल और बुंडेस्टैग के उपाध्यक्ष ओमिद नूरीपुर सहित जर्मनी के शीर्ष सरकारी और संसदीय नेताओं से मुलाकात की। सांसदों ने आतंकवाद पर भारत की शून्य-सहिष्णुता नीति और सीमा पार हमलों के प्रति इसके सैद्धांतिक दृष्टिकोण को दोहराया। उन्होंने पहलगाम की घटना के जवाब में चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर की गैर-उग्र, सटीक और जिम्मेदार प्रकृति पर जोर दिया। प्रतिनिधिमंडल में शामिल भाजपा सांसद समिक भट्टाचार्य ने कहाः ₹हमने यूरोप के छह देशों का दौरा किया और हमें पता चला कि पूरा यूरोप एक नई आर्थिक व्यवस्था में आने की कोशिश कर रहा है और हर देश ने पहलगाम आतंकवादी हमले की निंदा की है। हमने यह संदेश दिया है कि अगर सीमा पर कोई आतंकवादी गतिविधि देखी जाती है, तो उसका जवाब अलग होगा। हमने किसी देश से मध्यस्थता की मांग नहीं की। जर्मनी में भारतीय दूतावास के एक बयान के अनुसार, प्रतिनिधिमंडल ने इस बात पर जोर दिया कि आतंकवाद एक वैश्विक खतरा है जिसका सामना एकजुट वैश्विक प्रतिक्रिया से किया जाना चाहिए। जर्मन वातार्कारों ने चर्चा का स्वागत किया और भारत के साथ एकजुटता व्यक्त की। प्रतिनिधिमंडल ने यूरोपीय संसद के अधिकारियों, विदेश नीति और रक्षा समिति के प्रमुख सदस्यों और कोनराड एडेनॉयर स्टिफ्टंग (केएएस) जैसे प्रमुख थिंक-टैंक से भी मुलाकात की। उन्होंने आतंकवाद के खिलाफ मजबूत बहुपक्षीय प्रयासों की तत्काल आवश्यकता पर चर्चा की और आतंकवाद, रक्षा और रणनीतिक मुद्दों पर गहन सहयोग की संभावना तलाशी।

तेलंगाना में कांग्रेस सरकार का मंत्रीमंडल विस्तार, तीन विधायकों ने ली मंत्री पद की शपथ

तेलंगाना, 08 जून। रविवार को मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने हैदराबाद के राजभवन में आयोजित एक समारोह में तीन नए मंत्रियों- जी विवेक वेंकट स्वामी (चेन्नूर, एससी-माला), अदलुरी लक्ष्मण कुमार (धर्मपुरी, एससी-मडिगा) और वक्ति श्रीहरि (मकथल, बीसी-मुदुराज) को पद की शपथ दिलाई। राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने राजभवन में आयोजित एक समारोह में उन्हें पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी, उनके मंत्रिपरिषद सहयोगी, विधायक और अन्य नेता मौजूद थे।

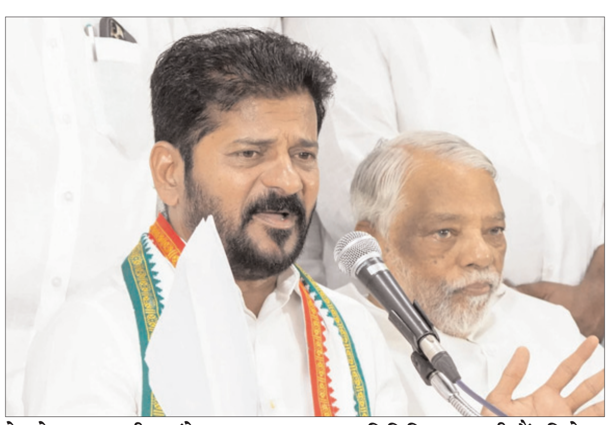

दिसंबर 2023 में रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार के सत्ता में आने के बाद से यह पहला कैबिनेट विस्तार है, जिसमें मंत्रियों की संख्या बढ़कर 12 हो गई है, जबकि छह पद खाली हैं। तीनों नियुक्तियां पारंपरिक रूप से कम प्रतिनिधित्व वाले समुदायों का प्रतिनिधित्व करती हैंः विवेक और लक्ष्मण एससी समूहों से हैं, और श्रीहरि पिछड़े वर्ग की पृष्ठभूमि से हैं। विश्लेषकों का सुझाव है कि भविष्य की नियुक्तियों से पहले क्षेत्रीय और जातिगत विविधता को संतुलित करने के लिए उन्हें शामिल किया गया है।

सीएम रेवंत रेड्डी ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट के माध्यम से शामिल किए गए लोगों को बधाई दी, साथ ही दोर्नाकल के विधायक रामचंदर नाइक को विधानसभा उपाध्यक्ष बनने पर बधाई दी। हालांकि तीन नए मंत्रियों के लिए विभागों की घोषणा अभी बाकी है, लेकिन आने वाले दिनों में और विस्तार की उम्मीद है। कांग्रेस आलाकमान कथित तौर पर अतिरिक्त समावेशन पर विचार कर रहा है, जिसमें संभावित रूप से मुस्लिम, जीएचएमसी और रेड्डी/वेलामा समुदायों के नेता शामिल हो सकते हैं।

किसानों के भविष्य को सुंदर और सुरक्षित बनाने की दिशा में काम कर रही डबल इंजन सरकार: योगी आदित्यनाथ

लखनऊ, 08 जून। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कहा कि राज्य में किसानों का भविष्य सुंदर और सुरक्षित बनाने की दिशा में डबल इंजन सरकार काम कर रही है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किसान सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि 2014 में एनडीए सरकार के सत्ता में आने के बाद किसान इस सरकार के एजेंडों में से एक बन गए। उत्तर प्रदेश सरकार ने बताया कि देश के 12 करोड़ किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का लाभ मिल रहा है।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आपने 2014 में पहली बार देखा होगा कि अन्नदाता किसान भी किसी सरकार के राजनीतिक एजेंडे का हिस्सा बन सकता है। जब पीएम मोदी ने मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना शुरू की... मृदा स्वास्थ्य कार्ड के बाद प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना और फिर प्रधानमंत्री कृषि बीमा योजना लागू की गई और प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना लागू की गई। देश के 12 करोड़ किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का लाभ मिल रहा है। यह डबल इंजन की सरकार राज्य में अपने किसानों के भविष्य को सुंदर और सुरक्षित बनाने की दिशा में भी काम कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 में जब हमारी सरकार आई तो किसान आत्महत्या कर रहे थे। कहीं कोई सुविधा नहीं थी। 2017 में जब हम आए तो सबसे पहले हमने 86 लाख किसानों के 36000 करोड़ रुपए के कर्जमाफी कार्यक्रम को आगे बढ़ाया और कर्जमाफी के बाद हमने राज्य में सिंचाई क्षमता विकसित करने के लिए प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना का सहारा लिया। इससे पहले उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ में राज्य कर विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा की और अधिकारियों को कर वसूली में पारदर्शिता, तकनीकी दक्षता और सख्त प्रवर्तन की नीति अपनाने के निर्देश दिए।

एपी मीडिया
हिन्दी दैनिक न्यूज पेपर, साप्ताहिक न्यूज पेपर, हिन्दी मासिक पत्रिका का पेज बनबाने के लिए
सम्पर्क करे: 9199355950

डॉ. रामअवतार किला: जिनकी हर पात में सेवा एवं संवेदना की झंकार हैं

-ललित गर्ग

आप एक सेतु बन सकते हैं, जीवन-मुस्कान का, जिन्दगी बचाने वाला एवं सेवा करने वाला पुल। हम एक साथ मिलकर जीवन को बचा सकते हैं, जीवन में आने वाली बाधाओं को दूर कर सकते हैं, अंधेरों के बीच रोशनी बन सकते हैं। इसी सोच के साथ ह्यअक्षय सेवाह्ण के संयोजक डॉ. रामअवतार किला पिछले दो दशकों से जरूरतमंद मरीजों को परामर्श, दवा एवं ईलाज की सुविधाएं उपलब्ध कराने में सतत रूप से कार्यरत हैं। उनके नेतृत्व में चलाए जा रहे ह्यहॉस्पिटल फूड ड्राइवह्ण के अंतर्गत अप्रैल 2017 से दिल्ली के प्रमुख सरकारी अस्पतालों एम्स, सफदरजंग, राममनोहर लोहिया एवं 2023 से लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज के बाहर प्रतिदिन लगभग 2500 लोगों को निःशुल्क भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। डॉ. किला के नेतृत्व में गत आठ वर्षों में अब तक 70 लाख से अधिक लोगों को इस पहल के अंतर्गत भोजन वितरित किया जा चुका है। इसके अतिरिक्त, एम्स पावरग्रिड विश्राम सदन सहित देश के छह अन्य शहरों पटना, लखनऊ, झज्जर आदि में रोगियों एवं उनके परिजनों के लिए 2000 से अधिक बिस्तरों की विश्राम सुविधा उपलब्ध करवाई जा रही है। षिकेश में निमार्णाधीन माधव सेवा विश्राम सदन, जिसमें 500 बिस्तरों की व्यवस्था होगी, जो जल्द ही जनसेवा के लिए समर्पित किया जाएगा। इस तरह डॉ. किला जिन्दगियों को बचाने वाले खूबसूरत पुलों का निर्माण करते हैं। उनकी जिन्दगी की हर पात में सेवा एवं परोपकार की झंकार सुनी जा सकती है।

समय की शिला पर मान, यश, सृजन-सेवा, निष्ठा-आस्था से भरी अनूठी कहानी हैं डॉ. रामअवतार किला की। प्रख्यात समाजसेवी,, गौसेवक, कर्मयोद्धा एवं जुझारू व्यक्तित्व के धनी डॉ. किला एक प्रसिद्ध चार्टर्ड एकाउंटेंट, कंपनी सेक्रेटरी एवं कॉर्पोरेट सलाहकार हैं, जिन्होंने अपने कैरियर में वित्तीय परामर्श और सामाजिक सेवा के क्षेत्र में अद्वितीय योगदान दिया है। मूल रूप से राजस्थान के चुरू जिले से ताल्लुक रखने वाले डॉ. किला वर्ष 1977 में उच्च अध्ययन एवं कैरियर निर्माण के उद्देश्य से दिल्ली आए। उन्होंने वर्ष 1982 में कंपनी सेक्रेटरी (सीएस) तथा 1983 में चार्टर्ड एकाउंटेंसी (सीए) की डिग्रियां प्राप्त की। वित्तीय सेवाओं के क्षेत्र में अपनी अद्वितीय व्यावसायिक दक्षता, ईमानदारी एवं दूरदर्शिता के बल पर डॉ. किला ने ह्यपरफेक्ट ग्रुप के माध्यम से कॉर्पोरेट परामर्श में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। वह वर्तमान में परफेक्ट ग्रुप के चेयरमैन हैं। इसके अतिरिक्त वे कई सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों के साथ सक्रिय भूमिका में जुड़े हुए हैं। वे समाज एवं परिवार के लिए एक प्रेरणा हैं, साहस के प्रतीक हैं, एक प्रकाश हैं और संवेदनाओं के पुंज सेवार्थी एवं परोपकारी व्यक्तित्व हैं। वक्त के अलग-अलग अवसरों पर इस दिव्य व्यक्तित्व की कहानी को सब कोई घटते हुए देख रहे हैं, एक इतिहास बनते हुए देख रहे हैं, एक सृजनात्मक जीवनगाथा को गुंथते हुए देख रहे हैं। डॉ. किला एक अनूठा एवं विलक्षण व्यक्तित्व है, जो उन्हें ठीक लगता है, वही करते हैं। वे बेचैन रहते हैं किसी के अभाव को देखकर। वे खिल उठते हैं किसी की मुस्कान को देखकर।

जैसे सूर्य की किरणें निर्ब्याज भाव से सभी को आलोकित करती है, ऊष्मा पहुंचाती है और चांद की किरणें सभी जगह फैलती है तथा सभी को अपने धवल-शीतल आगोश में सहलाती और तापमुक्त करती है, कुछ ऐसा ही व्यक्तित्व है डॉ. किला का। उनके ज्ञान, सेवा और स्नेह की निर्ब्याज और सतत प्रवाहित स्रोतस्विनी में जिसे भी एक बार अवगाहन करने का सुयोग मिला, वह इस अनुभूति से कृतार्थता का अनुभव किए बिना नहीं रह सका। उनके सान्निध्य से आदमी अचानक तापमुक्त और ऊंचा अनुभव करने लगता हैं। डॉ. किला को देखकर ही मैंने जाना कि आदमी इतना बड़ा होकर भी इतना निरहंकारी, सादगीमय एवं सरल होता है। उन्होंने अपने कर्म क्षेत्र में अनेक नये आयाम गढ़े और वित्त के क्षेत्र को भी अनेक रचनात्मक दिशाएं दी हैं।

गरीब एवं निर्धन वर्ग की सेवा में समर्पित डॉ. किला जैसे व्यक्तित्व विरल होते हैं, जिनकी सारस्वत साधना की सुरभि चतुर्दिक व्याप्त है तथा जिनकी यशोपताका सर्वत्र फैली हुई है, तथापि जो अपने व्यक्तित्व को सर्वथा सहज, अकृत्रिम एवं निष्कलुष बनाकर रखे हुए है। मधुरभाषी, व्यवहारकुशल, कुशल प्रशासक, जीवनदृष्टि को समझने में सजग एवं पटु डॉ. किला का जीवन समाजसेवा एवं संवेदनाओं से सराबोर है। ह्यकभी नहीं हारेगी जिन्दगी के संकल्प के साथ जरूरतमंदों एवं अभावग्रस्त लोगों की जिन्दगी में रोशनी बनने वाले डॉ. किला ह्यभाऊराव देवरस सेवा न्यासह्ण के संस्थापक ट्रस्टी एवं कोषाध्यक्ष है। डॉ. किला की प्रकृत-ऊर्जा विलक्षण हैं। वे कितने सारे सामाजिक, धार्मिक अनुष्ठानों, जिम्मेदारियों और सांस्कृतिक गतिविधियों से जुड़े हैं कि सेवा एवं परोपकार की कितनी शाखाओं और कितनी धाराओं से उनका परिचय रहा, यह देखकर आश्चर्यचकित रह जाना पड़ता है। उनकी ज्ञान-पिपासा, कर्मठता और निरालस्य सजगता युवकों को चुनौती देने वाले गुण हैं। वे एक समर्थ सामाजिक कार्यकर्ता, चिंतक, मर्मज्ञ और संस्कृतिपुरुष के रूप में एक प्रेरणास्रोत बने हुए हैं।

डॉ. किला शिक्षा के क्षेत्र में भी अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं। वे ह्यअखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच दक्षिणी दिल्लीह्ण के संस्थापक अध्यक्ष हैं। मंच के तत्वाधान में राजस्थान से आने वाले छात्रों के लिए सुपर 30 कार्यक्रम के रूप में संचालित छात्रावास का संचालन करने के साथ ही सीए किला पिछले 25 वर्षों से अधिक समय से सैकड़ों चार्टर्ड अकाउंटेंट और एमबीए छात्रों का मार्गदर्शन भी कर रहे हैं। निम्न वर्ग के विद्यार्थियों हेतु निःशुल्क भोजन, आवास एवं शिक्षा की सुविधा भी प्रदान की जाती है व राष्ट्रीय स्तर पर रक्तदान, कैलिपर कैम्प, क्लेफ्ट लिफ्ट, अंगदान और पोलियो उन्मूलन शिविर आदि जैसे विभिन्न सामाजिक कार्यों में भी सक्रिय रूप से शामिल हैं। वे बड़े से बड़ा कार्य करते हैं लेकिन किसी सामान्य या छोटा-सा काम करने में जरा सा संकोच नहीं करते। अपने उच्च-स्थान का लाभ उठाने का लोभ उन्हें छू भी नहीं पाया। वे जो कुछ हैं, अपनी प्रतिभा, जिजीविषा, संकल्प, भक्ति और संघर्षजन्य शक्ति के बल पर हैं। उन्हें जीवन में अनेक बार कटु अनुभव भी हुए थे, किन्तु उनके व्यक्तित्व में उनका कोई दंश शेष नहीं, अपितु उनके जीवन में सतत-सात्विक मधुरता ही बढ़ती ही जा रही है। डॉ. किला को कभी भी परेशानियों ने विचलित नहीं किया। वे कहते हैं, मुझे लगता है, मुझे ईश्वर का आशीर्वाद प्राप्त हैं, जो कुछ करना चाहता हू, वह कर रहा हू। उनका जीवन साधन-सम्पन्न लोगों एवं जरूरतमंदों के बीच एक सेतु है, एक पुल है। आशा का पुल, सेवा का पुल, शांति का पुल, जिन्दगी की मुस्कान का पुल। सचमुच वे प्रेरणास्पद हैं और उनमें बड़े मानुष का बड़प्पन झलकता है। वे परिवार और समाज के साथ-साथ गरीबों एवं जरूरतमंदों के लिए स्नेह के छांव देने वाले बरगद की हैं।

अनेक पुरस्कारों से सम्मानित डॉ. किला एक उच्च मूल्य मानकों को जीने वाले व्यक्तित्व हैं। उनके व्यक्तित्व में एक संपूर्ण मनुष्य के सारे गुण समाहित हैं। उनकी सहज आत्मीयता, खुलापन एवं मृदु अट्टहास अनोखा हैं। उनके मुख पर सदैव मंद-मंद स्मिति ही विलसती हुई देखी जाती है। ऐसा प्रतीत होता है कि मानो उनका समग्र जीवन वित्त-विशेषज्ञता को समर्पित होकर भी सेवा के विविध आयामों से जुड़ा है। वे सामाजिकता की एक अनूठी मिसाल है। यही कारण है कि डॉ. रामअवतार किला को हाल ही में राजस्थान फाउंडेशन द्वारा दिल्ली चैप्टर का अध्यक्ष मनोनित किया है। इस संस्था के साथ साथ वह अन्य संस्थाओं में भी अपनी भूमिका निभा रहे है जिनमें मुख्य रूप से ट्रस्टी राजस्थान मित्र मंडल, श्री मथुरा वृंदावन हासानन्द गोचर भूमि ट्रस्ट, सदस्य अखिल भारतीय प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन, पूर्व अध्यक्ष अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन दक्षिणी दिल्ली, पूर्व अध्यक्ष रोटरी क्लब ऑफ दिल्ली वसंत वैली, संस्थापक परफेक्ट फाउंडेशन एवं परफेक्ट इंस्टिट्यूट ऑफ रिसर्च एंड डेवलपमेंट तथा सक्रिय सदस्य लॉयन्स क्लब, माहेश्वरी क्लब, दिल्ली पैनोरमा क्लब, राजस्थान रत्नाकर, रामकृष्ण सेवा संस्थान आदि। वे राजस्थान के होकर दिल्ली में राजस्थानी संस्कृति को जीवंतता देने में जुटे हैं। विचारों, सामाजिक चेतना, धर्मनिष्ठा में गहरे रमे हुए डॉ. किला के जीवन और परिवार में अद्भुत सादगी और सात्विकता की व्याप्ति दिखाई पड़ती है। उनके बच्चे धार्मिक संस्कारों में शिक्षित-दीक्षित होकर आज अव्वल मुकामों पर अपने होने का अहसास करा रहे हैं। तमाम आधुनिक परिवेश के बावजूद डॉ. किला के संस्कारों के कारण उनमें सौम्यता और शालीनता दिखायी पड़ती है। लगता है डॉ. किला के व्यक्तित्व की सादगी, धर्मनिष्ठा, सामाजिकता एवं आध्यात्मिकता पूरे पारिवारिक परिवेश में व्याप्त है। सीए डॉ. किला एक ऐसे समर्पित व्यक्तित्व हैं, जिन्होंने न केवल अपने पेशेवर जीवन में अपूर्व ऊंचाइयां प्राप्त की हैं, अपितु सामाजिक सेवा को भी अपने जीवन का उद्देश्य बना लिया है। उनका जीवन वास्तव में आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। डॉ. किला के पास काम करने की अथक शक्ति है और काम किन दिशाओं में होना चाहिए इसका भी ज्ञान उन्हें हैं। प्रकृति ने ही डॉ. किला को मेधा, चिंतन क्षमता, वाकपटुता, कौशल का जो अवदान दिया वह बहुत कम लोगों को प्राप्त होता है। ऐसे कर्मठ कार्यकर्ता कम ही मिलते हैं, जिनमें चिंतन-मनन, कार्यकौशल, अध्ययन, तथ्यपरकता और सरसता का ऐसा मणिकांचन योग हो। वे समाज-निर्माता हैं, गहन परोपकारी हैं और संस्कृतिपुरुष भी हैं।

केरल में भारत माता का अपमान यह केवल चित्र नहीं देश की आत्मा पर चोट है!

-अजय कुमार

भारत माता एक ऐसा नाम, एक ऐसा भाव, जो करोड़ों भारतीयों के दिल की धड़कन है। जब कोई भारत माता की जयय बोलता है, तो ये केवल एक नारा नहीं होता, बल्कि एक ऐसी पुकार होती है, जिसमें देशभक्ति, श्रद्धा और मातृत्व का गहरा बोध समाहित होता है। लेकिन दुर्भाग्य देखिए, उसी भारत माता की तस्वीर अब देश के भीतर विवाद की जड़ बन रही है। जिस तस्वीर के सामने स्वतंत्रता सेनानी सिर झुकाकर बलिदान की प्रेरणा लेते थे, उसे देखकर अब केरल के एक मंत्री की आंखें चुभने लगी हैं। केरल के कृषि मंत्री पी प्रसाद ने पर्यावरण दिवस पर राजभवन में आयोजित कार्यक्रम का सिर्फ इसलिए बहिष्कार कर दिया क्योंकि मंच पर भारत माता की तस्वीर लगी थी। यह घटना एक प्रतीक भर नहीं है, यह उस वैचारिक युद्ध की प्रत्यक्ष झलक है जो अब भारत की आत्मा से टकरा रहा है।

पी प्रसाद भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के नेता हैं। वही पार्टी जिसकी जड़ें भारत में नहीं, बल्कि 1920 के दशक में सोवियत रूस के ताशकंद में पड़ीं। एक विदेशी धरती पर जन्मी विचारधारा का भारत में प्रवेश होना ही एक चेतावनी थी कि इसकी नजर भारतीय संस्कृति, परंपरा और भावनाओं से मेल नहीं खाती। और यही हुआ भी। आजादी के आंदोलन में जब देश के कोने-कोने में भारत माता की जय के उद्घोष के साथ आंदोलनकारी सड़कों पर उतर रहे थे, उसी वक्त वामपंथी विचारधारा सोवियत संघ के हितों की रक्षा में व्यस्त थी। 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन में इनका हिस्सा न बनना इस बात की सबसे बड़ी गवाही है।

जब-जब भारत माता का स्वर प्रबल हुआ, तब-तब लेफ्ट ने अपना मुख कहीं और मोड़ लिया। जब महात्मा गांधी अंग्रेजों को ह्भारत छोड़ोह्व कह रहे थे, तब कम्युनिस्ट नेता सोवियत संघ की नीति के अनुसार चुप बैठे थे। जब 1962 में चीन ने भारत की सीमाओं पर हमला किया, तब भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी ने न केवल चीन के दावों का समर्थन किया, बल्कि 'बीजिंग नजदीक है, दिल्ली दूर' जैसे नारे दिए। एक विचारधारा जो भारत माता को मां नहीं मानती, बल्कि एक साम्राज्यवादी कल्पना मानती है, वो विचारधारा जब सत्ता में आती है, तो भारत माता की तस्वीर से चिढ़ होना स्वाभाविक हो जाता है।

भारत माता का चित्र कोई धर्म विशेष का प्रतीक नहीं है। यह चित्र अबनिंद्रनाथ टैगोर ने 1905 में बनाया था, जिसमें भारत को चार हाथों वाली देवी के रूप में दर्शाया गया, जिनके हाथों में वेद, चावल, सफेद वस्त्र और माला होती थी। ये प्रतीक उस भारत का था, जो सांस्कृतिक रूप से समृद्ध, आत्मनिर्भर और ज्ञान से परिपूर्ण था। यह चित्र उस समय बना जब बंग-भंग के कारण राष्ट्रवाद की लहर तेज हो रही थी। भारत माता उस राष्ट्रवादी चेतना का नाम थी जिसने आजादी की लड़ाई को जनांदोलन में बदल दिया। यही कारण था कि वीर सावरकर से लेकर भगत सिंह और सुभाष चंद्र बोस तक, सभी भारत माता को केंद्र में रखकर लड़ते रहे।

लेकिन अब उस चित्र को लेकर यह तर्क दिया जा रहा है कि वह सरकारी रूप से अधिकृत प्रतीकह्व नहीं है। केरल सरकार ने यहां तक कह दिया कि भारत माता का कोई आधिकारिक चित्र नहीं है और इसीलिए उसे किसी सरकारी मंच पर रखना असंवैधानिक है। कृषि मंत्री पी प्रसाद ने यह आरोप लगाया कि भारत माता के चित्र पर एक राजनीतिक संगठन का झंडा लगा हुआ था, इसलिए वे उसे स्वीकार नहीं कर सकते। सवाल यह है कि क्या भारत माता अब केवल एक पार्टी का विचार बन गई है? क्या आज भारत माता की जय बोलना किसी राजनीतिक विचारधारा से जुड़ गया है?

राज्यपाल राजेंद्र वी. आर्लेकर ने इस पूरे विवाद में स्पष्ट कहा कि भारत माता के सम्मान से कोई समझौता नहीं होगा। यह बयान सिर्फ एक व्यक्ति का नहीं था, यह उस करोड़ों भारतीयों की भावना का प्रतिनिधित्व करता था जो भारत माता को केवल एक प्रतीक नहीं, एक सजीव सत्ता मानते हैं। लेकिन दुर्भाग्य देखिए कि राज्य के शिक्षा मंत्री वी. शिवनकुट्टी भी इस मुद्दे में कूद पड़े और बोले कि राज्यपाल को राजनीति से ऊपर उठना चाहिए। यानी अब भारत माता की तस्वीर रखना राजनीति है, लेकिन उस पर आपत्ति जताना राष्ट्रहित!

भारत माता की तस्वीर को लेकर इतने तीव्र विरोध का अर्थ केवल एक सांस्कृतिक टकराव नहीं है। यह उस दीर्घकालीन वैचारिक विभाजन का परिणाम है जिसमें एक धड़ा सदैव भारत को सिर्फ एक भूगोल मानता आया है, जबकि दूसरा धड़ा इसे मातृभूमि के रूप में देखता रहा है। लेफ्ट की राजनीति हमेशा विदेशी सिद्धांतों से प्रेरित रही है। चाहे वह मार्क्सवाद हो या माओवाद, भारतीय सोच और परंपरा का इसमें कोई स्थान नहीं रहा। यही कारण है कि भारत माता के चित्र से इन्हें चिढ़ होती है। क्योंकि यह चित्र उस भारत का प्रतिनिधित्व करता है जो अपने सांस्कृतिक गौरव पर गर्व करता है, जो अपने इतिहास से सीखता है, और जो मां को ईश्वर के समान मानता है।

आज यह सोच केवल केरल तक सीमित नहीं है। यह सोच देश के अलग-अलग हिस्सों में मौजूद है, जो भारत के मूलभाव को छिन्न-भिन्न करने पर तुली हुई है। यह वही सोच है जो 'अफजल हम शर्मिंदा हैं, तेरे कातिल जिंदा हैं' जैसे नारे देती है। यह वही सोच है जो कभी जेएनयू से उठती है और कभी कन्हैया कुमार की आवाज बनकर फैलती है। अब इस सोच को अगर सरकार का संरक्षण मिल जाए, तो वह भारत माता की तस्वीर को मंच से हटवाने का साहस कर बैठती है।

लेकिन यहां एक और गहरी बात छुपी है। आज देश में राष्ट्रवाद को संकीर्ण दृष्टि से देखने की प्रवृत्ति बढ़ी है। भारत माता की तस्वीर या 'वंदे मातरम' जैसे नारों को कुछ लोग धार्मिक रंग में रंगने की कोशिश करते हैं। परंतु यह चित्र और ये नारे केवल धार्मिक नहीं, सांस्कृतिक और राष्ट्रीय चेतना के प्रतीक हैं। भारत माता का चित्र देखकर किसी को आपत्ति होती है, तो सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या उनका भारत से जुड़ाव केवल संविधान की किताबों तक सीमित है? क्या वे उस भारत को नहीं पहचानते जिसे करोड़ों लोग माँ कहते हैं?

इस विवाद पर बीजेपी ने कड़ा रुख अपनाया। प्रदेश अध्यक्ष के. सुरेंद्रन ने राज्य सरकार के इस रुख को राष्ट्रविरोधी करार दिया और कहा कि भारत माता का अपमान देश का अपमान है। वहीं कांग्रेस ने भी राजभवन में राजनीतिक एजेंडे को थोपने की कोशिश की आलोचना की और कहा कि राज्यपाल को राजनीतिक प्रतीकों से दूरी बनानी चाहिए। लेकिन भारत माता की तस्वीर को केवल एक राजनीतिक प्रतीक मानना ही अपने आप में एक बड़ी भूल है। यह चित्र न किसी पार्टी का है और न किसी संगठन का। यह उस भावनात्मक जुड़ाव का प्रतीक है जिसे हर भारतवासी महसूस करता है। पी प्रसाद जैसे मंत्री संविधान की शपथ लेकर सत्ता में आते हैं, लेकिन जब भारत माता का चित्र सामने आता है, तो शपथ में समाहित भावना को भी नजरअंदाज कर देते हैं। यह विडंबना नहीं तो और क्या है? भारत के प्रत्येक नागरिक से यह अपेक्षा की जाती है कि वह देश के प्रतीकों, ध्वज, राष्ट्रगान, और सांस्कृतिक विरासत का सम्मान करे। फिर एक मंत्री जब भारत माता की तस्वीर से परहेज करता है, तो यह केवल उनका निजी मत नहीं रह जाता, यह एक राजनीतिक संदेश बन जाता है ऐसा संदेश जो राष्ट्रवाद को टुकड़ों में बांटने की कोशिश करता है।

यह घटना हमें उस खतरे की चेतावनी देती है जो भारत की एकता और अखंडता के लिए भीतर से उठ रहा है। देश को तोड़ने वाली ताकतें केवल सीमाओं से नहीं आतीं, वे उस मानसिकता से आती हैं जो अपने देश की आत्मा को पहचानने से इनकार करती हैं। भारत माता की तस्वीर से चिढ़ना उस चेतना को अस्वीकार करना है जो इस देश को जोड़ती है। यह केवल एक चित्र नहीं, यह एक विचार है, एक आस्था है, एक भावना है जो भारत को भारत बनाती है। श को आज ऐसे लोगों की जरूरत है जो भारत माता की जय को राजनीति नहीं, बल्कि श्रद्धा समझें। जिन्हें राष्ट्रगान सुनकर सम्मान की भावना हो, और भारत माता की तस्वीर देखकर आंखों में नमी और माथे पर झुकाव आए। वरना वह दिन दूर नहीं जब भारत केवल संविधान की किताब में सिमट कर रह जाएगा, और भारत माता एक विवादास्पद प्रतीक बनकर रह जाएगी। यह समय है कि देश की आत्मा को फिर से पहचाना जाए, उसे गले लगाया जाए क्योंकि भारत माता का अपमान किसी भी सूरत में सहन नहीं किया जा सकता। यही भारत का सच्चा स्वाभिमान है। यही भारत की सच्ची पहचान है।

ग्लोबल वार्मिंग-जलवायु परिवर्तन : असंभव है इन्हें रोक पाना

-तनवीर जाफरी

इस समय पूरी पृथ्वी ग्लोबल वार्मिंग के संकट से बुरी तरह जूझ रही है। विश्व के किसी न किसी कोने से मानवजीवन को संकट में डालने वाले आये दिन कोई न कोई ऐसे समाचार सुनाई देते हैं जो पर्यावरण पर नजरें रखने वालों को चौंकाने वाले होते हैं। मानवजनित इस समस्या के चलते इसी पृथ्वी के किसी न किसी भूभाग से कोई न कोई दिल दहलाने वाली खबरें अक्सर आती रहती हैं। कहीं ग्लेशियर पिघल रहे हैं तो कहीं समुद्र का जल स्तर बढ़ रहा है। कहीं जंगलों में आग लग रही है तो कहीं पहाड़ धंस रहे हैं। कहीं जंगलों में आग लगने के समाचार आते हैं तो कहीं वनक्षेत्र खासकर वर्षावनों के कम होने की खबरें सुनाई देती हैं। कहीं पहाड़, शुष्क रेगिस्तान की तरह होते जा रहे हैं तो कहीं रेगिस्तान में बारिश होने लगी है। कहीं नदियाँ सूख रही हैं तो कहीं बाढ़ तबाही मचाये रहती है। कहीं पहाड़ों की ऊंचाई कम हो रही है तो कहीं करोड़ों वर्षों से बर्फ के आवरण से ढके पहाड़ों से बर्फ की सफेद चादर हट चुकी है। जाहिर है दुनिया में बढ़ता जा रहा वायु प्रदूषण ही जलवायु परिवर्तन व व ग्लोबल वार्मिंग का मुख्य कारक है। और यही ग्लोबल वार्मिंग और इसके कारण होने वाला जलवायु परिवर्तन पृथ्वी के सबसे बुद्धिमान समझे जाने वाले मानव रुपी प्राणी की ही देन है।

इन समस्याओं से जूझने के लिये स्वयं को विश्व के जिम्मेदार समझने वाले नेता व शासकगण वातनुकूलित वातावरण में दुनिया में कहीं न कहीं इकठ्ठा होते रहते हैं और पृथ्वी के इन दिन प्रतिदिन बिगड़ते जा रहे हालात पर चिंता व्यक्त करने की औपचारिकता पूरी करते दिखाई देते हैं। संयुक्त राष्ट्र ने तो 53 वर्ष पूर्व यानी वर्ष 1972 में ही पूरे विश्व में पर्यावरण की सुरक्षा,संरक्षण तथा वैश्विक स्तर पर पर्यावरण के प्रति राजनीतिक और सामाजिक जागृति लाने हेतु प्रत्येक वर्ष 5 जून को ' विश्व पर्यावरण दिवस' मनाने की घोषणा भी कर दी थी। तभी से दुनिया के देश इस विषय पर किसी न किसी अंतर्राष्ट्रीय मंच पर चिंता करते नजर आते हैं। इसके लिए विश्व स्तर पर कई सम्मेलन और समझौते भी हो चुके हैं और भविष्य में भी प्रस्तावित हैं। संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन एक ऐसा ही प्रमुख मंच है जहां विश्व के नेता जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए कदम उठाने पर सहमत होने की औपचारिकता पूरी करते दिखाई देते हैं। प्रत्येक वर्ष आयोजित होने वाला यह सम्मेलन दुनिया के देशों को जलवायु परिवर्तन पर कार्रवाई करने के लिए एक साथ लाने का प्रयास करते भी नजर आता है। इस सम्मेलन में शामिल देश ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने, जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से निपटने की कोशिश करते भी दिखाई देते हैं।

उदाहरण के तौर पर संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन के तहत हुआ पेरिस समझौता एक ऐसा महत्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय समझौता है जो विश्व को जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए एक साथ लाने की कोशिश करता है। इस समझौते का उद्देश्य वैश्विक औसत तापमान वृद्धि को पूर्व-औद्योगिक स्तर से 2 डिग्री सेल्सियस से नीचे रखना है। इसी तरह पृथ्वी शिखर सम्मेलन है जोकि पर्यावरण और विकास पर ध्यान केंद्रित करता है। रियो डी जनेरियो में आयोजित पृथ्वी शिखर सम्मेलन में जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन ऑन क्लाइमेट चेंज की स्थापना की गयी थी। इसी तरह कभी दुनिया के प्रमुख विकसित और विकासशील देशों का एक समूह जी 20 शिखर सम्मेलन भी जलवायु परिवर्तन पर चर्चा का मंच बन जाता है। निकट भविष्य में भी ब्राजील के ऐमेजॉन क्षेत्र में स्थित बेलेम शहर में 10-21 नवंबर 2025 तक संयुक्त राष्ट्र का वार्षिक जलवायु सम्मेलन आयोजित होने वाला है। इसी तरह मरुस्थलीकरण से निपटने के लिए एक संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन सऊदी अरब के रियाद, में आयोजित किया जाएगा।

परन्तु इन सभी वैश्विक प्रयासों के बावजूद सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि 50 वर्षों से भी अधिक समय से ग्लोबल वार्मिंग से पृथ्वी को बचाने व जलवायु संरक्षण के नाम पर होने वाले वैश्विक प्रयासों का आखिर अब तक नतीजा क्या निकला है ? सिवाय इसके कि स्वयं को विकसित कहने वाले देश विकास के नाम पर स्वयं को तो ग्लोबल वार्मिंग का बड़ा जिम्मेदार बनने से रोक नहीं पा रहे जबकि अन्य विकाशील व गरीब देशों को फंड देकर उनसे यह उम्मीद करते हैं कि वही देश इसपर नियंत्रण करें ? विकासशील देशों से वृक्षारोपण अभियान चलाने की उम्मीद की जाती है जबकि विकसित देश हथियारों की होड़ व गगनचुम्बी इमारतों को बनाने की प्रतिस्पर्धा में जुटे रहते हैं। विकासशील देश नित नये उद्योग,वाहन व यातायात के अन्य प्रदूषण फैलाने वाले वाहन बनाने में मशगूल रहते हैं जबकि अन्य देशों को प्रवचन देते हैं कि ईंधन की खपत करने वाले 10-15 वर्ष पुराने वाहनों को चलन से बाहर करने के कानून बनायें ? आम लोगों को सलाह दी जाती है कि वे हवाई यात्रा कम से कम करें, कारों का इस्तेमाल न करें या इलेक्ट्रिक वाहन का प्रयोग करें, मांस व डेयरी प्रोडक्ट का इस्तेमाल कम से कम करें, घरेलू व औद्योगिक जरूरतों में ऊर्जा खपत में कटौती करें, कम से कम ऊर्जा खपत वाले उपकरण खरीदें, अपने घरों को तापावरोधी बनायें तथा गैस सिस्टम से इलेक्ट्रिक हीट पंपों पर स्विच करें, आदि आदि। यानी जलवायु सम्मेलनों के नाम पर इकठ्ठा होने वाले देशों में भी 'पर उपदेश कुशल बहुतेरे ' वाली कहावत चरितार्थ होते दिखाई देती है।

अन्यथा यदि जलवायु परिवर्तन व ग्लोबल वार्मिंग के असल जिम्मेदार देश विकास के नाम पर बनाई जाने वाली अपनी नीतियों में ईमानदाराना परिवर्तन करते तो 50 वर्षों के प्रयास के बावजूद आज पृथ्वी की स्थिति इसतरह दिन प्रतिदिन बद से बदतर न हो रही होती। आश्चर्य की बात तो यह है कि जिस ब्राजील के ऐमेजॉन क्षेत्र में नवंबर 2025 में संयुक्त राष्ट्र का वार्षिक जलवायु सम्मेलन आयोजित होने जा रहा है और जिस ऐमेजॉन क्षेत्र के वर्षावन पृथ्वी को लगभग बीस प्रतिशत ऑक्सीजन प्रदान करते थे उसी ऐमेजॉन क्षेत्र के सैकड़ों किलोमीटर के जंगल कुछ वर्ष पूर्व ही विकास की भेंट चढ़ गये ? हिमालय पर्वत की चोटियां जो हमेशा बर्फ की सफेद चादर ओढ़े रहती थीं अब उनकी बर्फ पिघलने लगी है। अंटार्टिका के ध्रुवीय ग्लेशियर लगातार पिघलते जा रहे हैं। परमाणु युद्ध की दस्तस्क आये दिन सुनाई देती है।अमेरिका,रूस व इस्राईल जैसे देश जब देखो तब कहीं न कहीं युद्ध के नाम पर खतरनाक बारूदी प्रदूषण फैलाते रहते हैं। और यही देश नेपाल जैसे छोटे देश तक का प्रदूषण स्तर नापते रहते हैं। शायद यही वजह है कि जलवायु सम्मेलन, नेताओं की तफरीह व सैर सपाटे की जगह तो बन जाते हैं परन्तु इन समस्याओं का स्थाई तो दूर अस्थाई समाधान भी निकाल नहीं पाते। इन परिस्थितियों को देखते हुये यह कहना गलत नहीं होगा कि ग्लोबल वार्मिंग व इसके कारण हो रहे जलवायु परिवर्तन को रोक पाना लगभग असंभव सा प्रतीत होता है।

पुरस्कारों का सौदा: साहित्य के बाजार में बिकती संवेदनाएं

साहित्य, आत्मा की पुकार है। वह सर्जक की साधना का फल होता है – तप, त्याग और संवेदना की अभिव्यक्ति। लेकिन आज, जब हम चारों ओर नजर डालते हैं, तो पाते हैं कि यह साधना अब सहयोग राशि और नामांकन शुल्क की दुकान पर बिक रही है। पुरस्कार अब साधना की स्वीकृति नहीं, पैसे की नीलामी हो गए हैं। ऐसे में प्रश्न उठना स्वाभाविक है – क्या सचमुच साहित्य का मूल्य अब बैंक ट्रांजैक्शन से तय होगा? आजकल सोशल मीडिया, व्हाट्सएप और मेल पर साहित्यिक आयोजनों के नाम पर संदेश आते हैं- सिर्फ 1000 में नामित हों, 2500 में पुरस्कार पाएं ह्व कुछ तथाकथित संस्थाएं और व्यक्ति राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय, गौरव, रत्न जैसे भारी-भरकम शब्दों से सजे पुरस्कारों का जाल बिछाकर साहित्यप्रेमियों को लुभाते हैं। सच्चाई यह है कि पुरस्कार नहीं, सम्मान की नीलामी हो रही है। इन आयोजनों के अधिकांश आयोजक एक जैसी वेबसाइटें, नकली अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के नाम और सोशल मीडिया प्रचार का सहारा लेकर लोगों को भ्रमित करते हैं। वे एक निश्चित शुल्क लेकर एक ट्रॉफी, सर्टिफिकेट और कभी-कभी एक ऑनलाइन समारोह की व्यवस्था करते हैं, जो केवल आत्मप्रशंसा का साधन होता है, न कि वास्तविक मान्यता। इन आयोजनों के पीछे अक्सर एक चतुर चाल होती है – इसे सहयोग राशि या प्रेस रिलीज खर्च कहकर नैतिक जामा पहनाया जाता है। पुरस्कार एक साधक को उसके योगदान पर दिया जाना चाहिए, न कि उसकी जेब देखकर। जब कोई लेखक अपनी मेहनत से एक रचना गढ़ता है, वह अपने समय, जीवन और संवेदना का अंश उसमें उड़ेलता है। और फिर कुछ लोग आते हैं – पैसा दो, पुरस्कार लो – क्या यह साहित्य की आत्मा का अपमान नहीं? यहां साहित्य एक उत्पाद बन गया है और लेखक उपभोक्ता। पुरस्कार की शर्तें तय नहीं होतीं उनके रचनात्मक मापदंड पर, बल्कि UPI भुगतान और स्क्रीनशॉट की पुष्टि पर होती हैं।

ऐसे आयोजनों के जरिए न सिर्फ साहित्य को ठगा जा रहा है, बल्कि हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं के नाम पर योजनाबद्ध गिरावट फैलाई जा रही है। जो सम्मान कभी राष्ट्रगौरव का प्रतीक होता था, वह अब टिकट खरीदकर पाई जाने वाली वस्तु बन गया है। यह भाषाई संस्कृति पर हमला है, जिसका संगठित बहिष्कार आवश्यक है। अनेक फर्जी अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार विदेशी नामों की आड़ में भारत के भीतर ही संचालित हो रहे हैं। इन आयोजनों का एक ही उद्देश्य होता है – नाम की आड़ में पैसा कमाना और साहित्यिक गंभीरता का शोषण करना। सच्चा साहित्यकार पुरस्कार के लिए नहीं, समाज के लिए लिखता है। वह पुरस्कार के पीछे नहीं भागता, पुरस्कार उसकी साधना के पीछे भागते हैं। आज जरूरत है ऐसे छलछंद को उजागर करने की, जो साहित्य को सिर्फ एक १सेल्फी इवेंट बना रहे हैं। पुरस्कारों की गारंटी१ देने वाले लोग दरअसल साहित्य की आत्मा के हत्यारे हैं। ऐसे पुरस्कारों से न केवल साहित्यिक गरिमा घटती है, बल्कि युवा लेखकों को एक गलत प्रेरणा मिलती है – कि रचना से अधिक महत्वपूर्ण है, उसकी मार्केटिंग और भुगतान। समाज को सजग बनाइए, बहिष्कार कीजिए। अब समय आ गया है कि हम ऐसे आयोजनों का बहिष्कार करें, पैसे लेकर पुरस्कार बेचने वालों का सामाजिक पदार्फाश करें, सोशल मीडिया और पत्रिकाओं में इनके नाम उजागर करें, सच्चे साहित्यकारों और पाठकों के बीच चेतना फैलाएं, साहित्य को आत्मा की अभिव्यक्ति बनाए रखें, उसकी बोली न लगने दें। पुरस्कार पाने से पहले नामांकन शुल्क या सहयोग राशि मांगी जाए तो सतर्क हो जाइए। जिन आयोजनों के पीछे कोई प्रतिष्ठित संस्थान न हो, केवल फेसबुक पेज या गूगल फॉर्म हो – वे संदिग्ध होते हैं। किसी भी १इंटरनेशनल१ पुरस्कार का आयोजन यदि केवल भारत के छोटे शहरों में हो रहा हो, तो जांच जरूरी है। वेबसाइट पर संस्थापक या निर्णायक मंडल की पारदर्शिता न हो, तो यह लाल झंडी है।

हम यह नहीं कह रहे कि पुरस्कार न दिए जाएं – बल्कि पुरस्कार तपस्वी लेखकों की साधना की स्वीकृति होनी चाहिए, न कि किसी वढक भुगतान का रसीद। भाषा की गरिमा बचानी है तो ऐसे नकली संस्थानों से मुक्ति पानी होगी। साहित्य कोई काजल की कोठरी नहीं कि कोई भी चला आए, काजल लगा ले और चला जाए। यह साधना है, सेवा है, संघर्ष है। साहित्य की दुनिया में यह जो बनावटी रोशनी जगाई जा रही है, वह दरअसल एक अंधेरा है – आत्मा से दूर, पैसे के करीब। सच्चे लेखक और पाठक ही मिलकर इस अंधकार को मिटा सकते हैं। अगर साहित्य की आत्मा को जीवित रखना है, तो जरूरी है कि हम ऐसे नकली पुरस्कारों के खिलाफ आवाज उठाएं। यह न केवल लेखन की प्रतिष्ठा की रक्षा करेगा, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को भी सिखाएगा कि पुरस्कार नहीं, सृजन और संवेदना ही साहित्य की असली पूंजी है।

हम साहित्य के उस युग में प्रवेश कर रहे हैं जहाँ आत्मा से अधिक महत्वपूर्ण पुरस्कारों का बायोडेटा हो गया है। आवश्यकता है उस धैर्य, विवेक और विवेचना की जो सच्चे रचनाकार को भीतर से मजबूत करे। ऐसे माहौल में सच्चे साहित्यकारों का मौन अपराध होगा। वे ही यदि इन नकली मंचों को अस्वीकार करेंगे, तभी मूल्यों की पुनर्स्थापना संभव होगी। यह सिर्फ बहिष्कार नहीं, एक सांस्कृतिक पुनर्जागरण की शुरूआत है – जहाँ पुरस्कार नहीं, विचारों की गूंज महत्वपूर्ण होगी। साहित्य की साधना को बचाने का यही समय है।

अनेकता में एकता की देशभक्ति

-विक्रम दयाल

अनेकता में एकता की देशभक्ति आज हर भारतीयों के अंदर है। बहुत अच्छा लगता है जब भारत या देश की बात आये तो सभी लोग एकजुट हो जाते हैं। भारत जैसे महान देश की एकता ही आज दुनियाभर में महानशक्तिसंगठन का परिचय दिया है। भारत की शक्ति के आगे दुनियाँ नतमस्तक है। भले ही लोगों के विचार अलग अलग हों, अलग अलग मत के लोग हो, अलग अलग पार्टियां हों, लेकिन जब भारत की एकता कि बात आये, शक्ति की बात आये तब सभी अनेक मिलकर एक हो जाते हैं। तब शक्तिशाली राष्ट्र भारत सीना तानकर दुनियां को एहसास दिला देता है कि हमसब मिलकर एक महान शक्ति हैं और हमें कोई मजबूर नही कर सकता, और झुका नही सकता। जिसे अपनी ताकत पर गुमान है, हम उसकी उस ताकत या गुमान को रौंद सकते हैं। भारतीय सेना अपने दम पर,अपने ही देश के अंदर बने हुए स्वदेशी हथियारों से, अपने ही बलबूते से, अपनी ही सूझबूझ से, एकसाथ मिलकर चंद मिनटों में उन सभी आतंकवादियों के घरों में घुसकर उन्हें तहस-नहस कर, सूझबूझ से जहन्नुम में भेज दिया। जो काबिल-ए-तारीफ है। जो आतंकी छुप छुप कर कश्मीर के पहलगाम में खूनीखेल नरसंहार किये, उन्हें हमारी सेना के जवानों ने मिट्टी में मिला दिया। सम्मानित सेना के सम्मान में आज पूरा देश उन महान योद्धाओं के अटूट सम्मान में तिरंगा यात्रायें पूरे भारत में हर्षोल्लास के साथ निकाल रहे हैं। और सरकार के हाथ और हौसले को मजबूती प्रदान कर रहे हैं। छोटे बड़े सभी दल एकसाथ मिलकर, आपसी मतभेद भुलाकर, सरकार के साहस को बढ़ा रहे हैं। दुनियाँ भारत कि एकता के आगे आज नतमस्तक है। अलग अलग संस्कृतियों, धर्मों, भाषाओं और परंपराओं के बावजूद एकसाथ रहने और एक राष्ट्र के रूप में एकजुट होने की क्षमता। यह विभिन्नता को स्वीकार करने और सह अस्तित्व के बढ़ावा देने का एक रूप है। विविधताः अनेकता में एकता अर्थ है कि भारत में कई तरह की। संस्कृत, भाषा, धर्म और परंपराएं हैं, लेकिन वे सभी मिलकर एक मजबूत राष्ट्र का निर्माण करती हैं। एकताः एकसाथ रहना, एक दूसरे को समझना और सम्मान करना। सहअस्तित्वः अनेकता में एकता सहअस्तित्व को बढ़ावा देती है। क्योंकि यहाँ लग अलग धर्मों, भाषा, और संस्कृत के लोग रहते हैं लेकिन वे सभी एकसाथ एक मजबूत और एकजुट राष्ट्र बनाते हैं। भारत में विविध त्योहारों और उत्सवों को मनाना, अलग अलग भाषायें बोलना, और विभिन्न तरह के भोजन करना, अनेकता में एकता का ही उदाहरण है। अनेकता में एकता सांस्कृतिक आदान प्रदान को बढ़ावा देती है। लोग एक दूसरे की संस्कृत, भाषा, और परंपराओं को सीखते हैं। और दूसरे से सीखते हैं। राष्ट्र निमार्णः अनेकता में एकता राष्ट्र निर्माण में मदत करती है। क्योंकि यह लोगों को एकसाथ लाती है। और उन्हे एक साझा उद्देश्य के लिए, और काम करने के लिए प्रेरित करती है। इसलिए महान भारत। पूर्ण रूप से शक्तिशाली भारत। आज मस्तक सर्वोच्च किये दहाड़ रहा है। तिरंगा आसमान में, सर्वोच्च ऊँचाई पर लहर रहा है। दुश्मन मुंह लटकाये, हाथ में कटोरा लिए, मदत के लिये, औरों के आगे पीछे दौड़ रहा है। भारत के दुश्मन को जिन देशों ने मदत पहुँचाई है, उन देशों से भारत का लेन देन भी तुरंत बंद हो गया है। भारत के व्यापारियों ने सरकार का साथ दिया है और भविष्य में कोई भी लेन देन उन देशों द्वारा नही करेंगे जिन देशों ने भारत के दुश्मनों को लाभ पहुँचाया है। अब भविष्य में आतंकवादियों द्वारा फैलाये जानेवाला आतंक, या नरसंहार युद्ध माना जायेगा और भारत उस आतंक का जबाब युद्ध से देगा। भारत अब आतंकियों के आतंक को जड़ से खत्म करने के लिए तत्पर है।

पुलिस ने अशोक धोडी हत्याकांड का किया पर्दाफाश

मुख्य आरोपी अविनाश धोडी को किया गिरफ्तार

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। जिले के तलासरी तहसील के शिवसेना पदाधिकारी अशोक धोडी की हत्या के मामले में मुख्य आरोपी अविनाश धोडी को आखिरकार पांच महीने बाद सेलवास से गिरफ्तार कर लिया गया है। यह गिरफ्तारी स्थानीय अपराध शाखा को मिली गुप्त सूचना के आधार पर रविवार 8 जून 2025 को सुबह करीब साढ़े तीन बजे की गई।

पुलिस अधीक्षक कार्यालय द्वारा मामले के बारे में दी गई जानकारी के अनुसार जमीन के विवाद को लेकर भाई से मनमुटाव के चलते अविनाश ने 19 जनवरी 2025 को अपने सहयोगियों के साथ मिलकर अशोक धोडी की कार को डहाणू से घर लौटते समय वेवजी घाट के पास रोका और अपहरण कर लिया। बाद में उनकी बेरहमी से हत्या कर, सबूत मिटाने के लिए शव और कार को गुजरात के उमरगांव स्थित एक पानी से भरी पत्थर खदान में फेंक दिया गया।

उक्त घटना के लगभग 12 दिन बाद अशोक धोडी का शव सरिगाम स्थित बंद पड़ी खदान के जलाशय में मिला था। इस मामले में अब तक 9 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी, जिनमें से 5 को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी थी। लेकिन मुख्य आरोपी अविनाश और उसके तीन साथी घटना के बाद से फरार थे।

पालघर पुलिस अधीक्षक यतीश देशमुख के पदभार ग्रहण करते ही उन्होंने इस गंभीर प्रकरण को प्राथमिकता से लेते हुए एक विशेष जांच दल का गठन किया। स्थानीय अपराध शाखा के प्रभारी निरीक्षक प्रदीप पाटील के नेतृत्व में यह टीम पिछले पांच महीनों से लगातार घोलवड, उमरगांव, वापी, दमन, सिलवासा, इंदौर और राजस्थान जैसे इलाकों में तलाश करती रही। अंततः गुप्त सूचना के आधार पर टीम ने अविनाश को पकड़ने में सफलता पाई। आरोपी को गिरफ्तार करने के पश्चात पालघर जिला न्यायालय में पेश किया गया जहां न्यायालय ने हत्या आरोपी अविनाश को 14 जून 2025 तक के लिए पुलिस रिमांड पर भेज दिया है।

इस पूरे ऑपरेशन को सफल बनाने में पालघर पुलिस अधीक्षक यतीश देशमुख, अपर पुलिस अधीक्षक विनायक नरले, डहाणू की उपविभागीय पुलिस अधिकारी अंकिता कणसे, स्थानिक अपराध शाखा के पुलिस निरीक्षक प्रदीप पाटील, एपीआई अनिल व्हटकर, पीएसआई स्वप्निल सावंत देसाई, गोरखनाथ राठोड, रोहित खोत, राजेश वाघ, सुनील नलावडे, दीपक राऊत, संदीप सूर्यवंशी, नरेंद्र पाटील, कैलास पाटील, दिनेश गायकवाड, भगवान आव्हाड, कपिल नेमाडे, विजय ठाकूर और संजय धांगड समेत कई पुलिसकर्मियों की अहम भूमिका रही।

आधार सामाजिक संस्था ने राकेश केशरवानी को बनाया भिवंडी/ठाणे शहर वाहतुक विभाग अध्यक्ष

आचार्य सूरजपाल यादव/भिवंडी (उत्तरशक्ति)। ठाणे जिला के अलग-अलग शहरों में नेहरू युवा केन्द्र ठाणे के मार्गदर्शन व संयुक्त तत्वावधान में कार्य करने वाली आधार सामाजिक संस्था ने राकेश केसरवानी को नियुक्ति पत्र देकर सौपा भिवंडी/ ठाणे शहर जिला वाहतुक विभाग के अध्यक्ष पर नियुक्त किया । बताते कि राकेश केशरवानी पिछले कई वर्षों से अलग अलग पार्टियों में रहकर यातायात से संबंधित कार्यों के समाधान के लिये कार्य कर रहे थे । राकेश केशरवानी की ठाणे प्रादेशिक कार्यालय (यातायात) में अच्छी पहचान होने से यातायात संबंधित हर समस्या का समाधान करने में सक्षम हैं । इनके पिछले कार्यो को देखते हुये आधार सामाजिक संस्था के अध्यक्ष अरविंद फेरूराम जैस्वार ने नियुक्ति-पत्र देकर वाहतुक विभाग अध्यक्षा का पद भार सौपते हुये आशा व्यक्त की है कि राकेश केशरवानी पद की गरिमा को ध्यान में रखते हुये अच्छा कार्य करेंगे । वहीं केशरवानी के अध्यक्ष बनाये जाने पर आधार सामाजिक संस्था के सचिव मयूर वामणे , कोषाध्यक्ष सुशील साठे , आचार्य सूरजपाल यादव आदि लोगों ने शुभकामनाएँ दिये ।

मनपा द्वारा मुख्यमंत्री मुफ्त चिकित्सा शिविर का हुआ आयोजन

मुंबई (उत्तरशक्ति)। बृहन्मुंबई महानगरपालिका पालिका जी-दक्षिण विभाग के स्वास्थ्य चिकित्सा अधिकारी डॉ विरेन्द्र मोहिते साहेब के मार्गदर्शन में मुख्यमंत्री मुफ्त चिकित्सा शिविर का आयोजन शनिवार 7 जून एवं रविवार 8 जून 2025 वरली कोलीवाडा सभागृह में किया गया। उक्त शिविर का संयोजन भाजपा सरचिटणीस युवा मोर्चा मुंबई अर्जुन दत्ताजी मेघे उर्फ अर्जुन दादा ने किया जहां भाजपा सांसद मंगल प्रभात लोढ़ा सहित अनेकों भाजपा मुंबई पदाधिकारी उपस्थित रहे। उक्त दो दिवसीय मुफ्त चिकित्सा शिविर में डॉ अमोल दरोई,डॉ राजेश देवेंद्र,समाज विकास अधिकारी राजेश सुरवाडे, सनिरिक्षण अन्वेषक विनय कुमार शर्मा,उन्मेष कामतेकर,हिरा वसावे, श्रेया जांभले,प्रभादेवी क्षयरोग लैब सुपर वाइजर रमादेवी मंचे,कोलीवाडा स्वास्थ्य केंद्र से डॉ तेजश्री मैडम,डॉ सारिका सावतीरकर,डेटा आपरेटर निकिता वाघमारे,अश्विनी नार्वेकर, शीतल वाघमारे, निखिल किर्तने,नायर हास्पीटल लडडरटह, उत्फक्ष र४ष्श्रीईललीलर३ डॉ अंजली परांडे,लायन्स ताराचंद बापा हास्पीटल रक्त जांच समूह,पोद्दार हास्पीटल मेडिकल विभाग से पुजा गोविन्दराव, ग्रेस आशांगबंम,मानसी कदम,नेहा गुप्ता,कंचन अवतार,संजीवनी हास्पीटल अंधेरी से निधि अपरेज, दीपशिखा मुसहर,मानसी घोसालकर, दीपिका शेलार,सिद्धेश गंवणकर, विनोद मोरे,आवेश खान,अंजू चौरसिया सहित एंबुलेंस और नेत्र चिकित्सा,स्त्री रोग चिकित्सा, आर्थोपेडिक चिकित्सा सहित सामान्य चिकित्सा विभाग के विशेषज्ञ की उपस्थिति में हजारों नागरिकों एवं रहिवासियों ने मुफ्त चिकित्सा शिविर का लाभ लिया।

कल्याण में क्रेसमंडवर्ल्ड स्कूल का भव्य उद्घाटन

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण के शैक्षणिक क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण क्षण आया है। 5 जून को उत्कृष्टता को पोषित करने और भविष्य के वैश्विक नागरिकों को सक्षम बनाने के लिए प्रतिबद्ध क्रेसमंडवर्ल्ड स्कूल, कल्याण का भव्य उद्घाटन हुआ। फिनलैंड के काउंसिल जनरल एरिक अफ हैलस्ट्रॉम, संस्थापक ट्रस्टी जितेंद्र देवूलकर और अनीता देवूलकर की उपस्थिति में यह समारोह संपन्न हुआ। इस समारोह में प्रबंधन के सदस्य प्रदीप मुद्रास, दीप्ती सावंत, परिवार के सदस्य, कर्मचारी और क्रेसमंडवर्ल्ड कल्याण के विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित थे। योगीधाम स्थित स्कूल परिसर में झंडे लहराकर उत्सव का माहौल बना और विशाल परिसर में विद्यार्थियों के पहले समूह का स्वागत किया गया। कल्याण में स्थित क्रेसमंडवर्ल्ड स्कूल, क्रेसमंडवर्ल्ड ऑफ स्कूल्स के बैनर तले दूसरा परिसर है। अंधेरी स्थित उनकी प्रमुख स्कूल की उल्लेखनीय सफलता के बाद, जिसने पहले ही शैक्षणिक गुणवत्ता, समावेशी शिक्षा और भविष्य के लिए तैयार शिक्षण पद्धति के लिए प्रतिष्ठा प्राप्त की है, अब कल्याण में भी शिक्षा की वही उत्कृष्ट परंपरा शुरू हुई है। फिनिश दृष्टिकोण पर आधारित शिक्षा देना क्रेसमंडवर्ल्ड ग्रुप ऑफ स्कूल्स की एक विशेष विशेषता है। शांत परिसर में अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे और सुविधाओं के साथ वैश्विक स्तर की शिक्षा दी जा रही है। स्कूल का विजन स्टेटमेंट यह स्पष्ट करता है कि विद्यार्थियों को ह्यानवाचार, सहयोगह्न और विविधता की संस्कृति को अपनाते हुए वैश्विक स्तर पर श्रेष्ठ मानव और नेता बनने के लिए सक्षम बनाना ही उद्देश्य है।

ट्रेडबाइनरी ने वृक्षारोपण अभियान के तहत लगाए 20 हजार पौधे

मुंबई। भारत को कार्बन न्यूट्रल बनाने के लक्ष्य को गति देने के लिए, अग्रणी टेक्नोलॉजी और परामर्श कंपनी ट्रेडबाइनरी ने विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर एक बड़ा वृक्षारोपण अभियान चलाया, जिसके तहत सिर्फ एक दिन में 20,000 पौधे लगाए गए। यह अभियान भारतीय नौसेना, ठाणे नगर निगम और वन विभाग के सहयोग से आयोजित किया गया। इस पहल के जरिए ट्रेडबाइनरी ने यह संदेश दिया कि टेक्नोलॉजी और पर्यावरण संरक्षण को साथ मिलकर काम करना चाहिए, ताकि एक मजबूत और हरियाली से भरा भारत तैयार हो सके।

गृह प्रवेश पूजन का सफल आयोजन

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण पश्चिम स्थित बेतुरकड़ पाड़ा के पंचमुखी मारुति मंदिर के समीप नवनिर्मित बोरगांवकर एग्जिलस बिल्डिंग के फ्लैट नंबर 701 में पंडित राकेश पांडे एवं उनकी धर्मपत्नी श्रीमती आरती राकेश पांडे द्वारा विधिवत गृह प्रवेश एवं वास्तु पूजन का आयोजन पूरे श्रद्धा और उत्साह के साथ सम्पन्न हुआ। पूजन समारोह में परिवार के सभी सदस्य उपस्थित रहे और मंत्रोच्चार एवं धार्मिक विधि-विधान के अनुसार पूजा संपन्न की गई। शुभ अवसर पर उपस्थित अतिथियों को पूजा उपरांत प्रसाद एवं स्वादिष्ट भोजन भी परोसा गया।

गृह प्रवेश का यह पावन अवसर सभी के लिए मंगलमय एवं सुख-समृद्धि से परिपूर्ण रहा।

विद्युत कंपनी के अधिकारियों पर भड़के आनंद सोसायटी के लोग

सोसायटी की अनुमति लिए बिना विद्युत ट्रांसफार्मर से दूसरे को दिया गया कनेक्शन

डोंबिवली (उत्तरशक्ति)। डोंबिवली होरीजन हॉल के पास सर्वोदय आनंद सोसायटी में 192 घर हैं और घर में बिजली के उपकरण खराब हो रहे हैं। इसके लिए एमएसडीसीएल विद्युत जिम्मेदार है .और सदस्यों ने कहा कि सोसायटी की अनुमति के बिना ट्रांसफार्मर से हाईटेंशन लाइन ले जाने के कारण ऐसा हो रहा है। सोसायटी ने इस संबंध में एमएसडीसीएल को पत्र दिया है और यहां के सदस्यों ने कहा कि इस पत्र की अनदेखी की जा रही है।

सोसायटी के सचिव नारायण झा ने कहा, की यह समस्या कई महीनों से चल रही है और इसके कारण न केवल घर बल्कि इमारत में मौजूद इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को भी नुकसान पहुंचा है। एमएसडीसीएल को इस नुकसान की भरपाई करनी चाहिए। हमारी सोसायटी के बगल में एक बिल्डिंग के लिए ट्रांसफार्मर से हाईटेंशन लाइन बिछाई गई है, जिसे एयरटेल और जियो द्वारा बनाया जा रहा है, उसने सर्वोदय आनंद सोसायटी की अनुमति लिए बिना। इससे बिजली का प्रवाह कम हो रहा है और बिजली के उपकरणों में शॉर्ट सर्किट होने की संभावना है। महावितरण कंपनी को कई बार पत्र लिखने के बावजूद उसने इस ओर ध्यान नहीं दिया।

हमारी सोसायटी प्रति वर्ष 50 लाख रुपये का बिल भरती है। अगर ईमानदार बिजली उपभोक्ताओं के साथ ऐसा व्यवहार किया जा रहा है, तो हम किससे न्याय मांगेंगे? इस सोसायटी की सदस्य स्मिता वर्मा ने कहा, हमें मिलने वाला बिजली बिल कई गुना अधिक है। ऐसा लगता है कि इन सभी विभागों का बिजली का बोझ हम पर डाला जा रहा है। हर महीने का बिल 14,000 रुपये से अधिक है। हमारे घर में इतनी खपत नहीं होती। वे हर साल डिपॉजिट ले रहे हैं। बिजली वितरण कंपनी हमें क्या खास चीज देती है? एक अच्छे नागरिक के तौर पर हम समय पर बिल भरते हैं, लेकिन इसका क्या फायदा है? ऐसा लगता है कि उन्हें मीटर की रीडिंग बिना जांचे ही बिल दिया जाता है ।

योगायतन जनकल्याण ट्रस्ट द्वारा 3000 जरूरतमंद बच्चों को पुस्तकें वितरित

मुंबई (उत्तरशक्ति)। विगत 15 वर्षों से शिक्षा और सेवा के क्षेत्र में सक्रिय योगायतन जनकल्याण ट्रस्ट ने इस वर्ष भी अपने वार्षिक मुफ्त पुस्तक वितरण अभियान के अंतर्गत मुंबई की झुग्गी बस्तियों में रहने वाले 3000 बच्चों को शिक्षाप्रद पुस्तकें वितरित की । इस गरिमामयी कार्यक्रम की अध्यक्षता महाराष्ट्र विधानसभा के अध्यक्ष श्री राहुल नार्वेकर ने की। कार्यक्रम में ट्रस्ट के प्रमुख ट्रस्टी डॉ. राजेन्द्र प्रताप सिंह, अमेय प्रताप, श्रीमती शीला सिंह और कुमारी अनन्या कुमारी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के अंत में सभी बच्चों को दूध व बिस्कुट वितरित किए गए, जिससे उनमें विशेष उत्साह देखा गया। इस अवसर पर ट्रस्ट ने एक महत्वपूर्ण घोषणा करते हुए कहा कि कफ परेड की झुग्गी बस्तियों में रहने वाले 12वीं कक्षा के मेधावी छात्रों को प्रोत्साहन स्वरूप निःशुल्क लैपटॉप दिए जाएंगे, जिससे वे डिजिटल शिक्षा के युग में पीछे न रहें। इस आयोजन में सैकड़ों बच्चों और अभिभावकों ने भाग लिया। पूरा सभागार उत्साह और प्रेरणा से भरा रहा। योगायतन ट्रस्ट का यह सतत प्रयास समाज में सकारात्मक बदलाव और शिक्षा के अधिकार को सशक्त रूप से स्थापित कर रहा है।

पालकमंत्री गणेश नाईक के प्रयास से आपदा पीड़ितों को बड़ी राहत

बारिश-तूफान से प्रभावितों के लिए 2.70 करोड़ की सहायता राशि मंजूर

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। पालघर जिले में अप्रैल और मई 2025 के दौरान आए अप्रत्याशित बारिश और तेज हवाओं ने जनजीवन को भारी नुकसान पहुंचाया। इस आपदा में सैकड़ों घर क्षतिग्रस्त हो गए, तो कई झोपड़ियां और मवेशी शेड पूरी तरह नष्ट हो गए। इस संकट की घड़ी में राज्य के वन मंत्री एवं पालघर जिले के पालकमंत्री गणेश नाईक ने पीड़ितों के लिए राहत राशि की जोरदार मांग की, जिसका सकारात्मक परिणाम अब सामने आया है। राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में गणेश नाईक ने विशेष तौर पर यह मुद्दा उठाया, जिसके फलस्वरूप 2 करोड़ 70 लाख रुपये की आपदा राहत राशि मंजूर की गई है। यह राशि विभागीय आयुक्त कोकण, नवी मुंबई के माध्यम से जिलाधिकारी को हस्तांतरित की गई है, जिसे अब तहसील स्तर पर जरूरतमंदों को वितरित किया जा रहा है। जिलाधिकारी डॉ. इंदुराणी जाखड ने जानकारी देते हुए बताया कि अप्रैल और मई माह में आए तेज तूफान और बारिश के कारण कुल 38 घर पूरी तरह नष्ट, 3,852 घर आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त, 10 झोपड़ियां पूरी तरह ढही, और 6 मवेशी शेडों को नुकसान हुआ है।

आपदा के अलग-अलग चरणों में हुआ नुकसान और उसके अनुसार निधि का विवरण इस प्रकार हैः 4-5 अप्रैलः 1 घर पूर्णतः नष्ट, 339 आंशिक क्षतिग्रस्त, 1 झोपड़ी नष्ट, 3 गोठों को नुकसान झ सहायता राशि 18.94 लाख 6-8 मईः 3 घर पूरी तरह ढहे, 2,120 आंशिक नुकसान, 4 झोपड़ियां नष्ट झ सहायता राशि 1.20 करोड़ 23-25 मईः 34 घर पूर्णतः नष्ट, 1,393 आंशिक क्षतिग्रस्त, 5 झोपड़ियां व 3 गोठे नष्ट सहायता राशि 1.11 करोड़ कुल मिलाकर 2.50 करोड़ से अधिक की राशि की मांग की गई थी, जिस पर मुख्यमंत्री की ओर से तुरंत सकारात्मक निर्णय लेकर ?2.70 करोड़ की मंजूरी दी गई। डॉ. जाखड ने कहा कि यह सहायता राशि प्रभावित परिवारों के लिए बहुत बड़ा संबल साबित होगी और उनके पुनर्वास में सहायता करेगी।

जैन संतों की दुर्घटनाओं के विरोध में मुंबई में विशाल महा रैली का आयोजन

मुंबई (उत्तरशक्ति)। राजस्थान में जैन संतों के साथ हो रही रहस्यमयी दुर्घटनाओं के विरोध में आज दक्षिण मुंबई में एक विशाल महा रैली का आयोजन किया गया। यह रैली वी.पी. रोड से प्रारंभ होकर कालबादेवी स्थित गोड़ीजी जैन मंदिर तक पहुँची, जहाँ एक धर्मसभा में परिवर्तित होकर समाज के विभिन्न वर्गों की भावनाएँ प्रकट की गईं।हजारों की संख्या में जैन समाज के श्रद्धालु, भाई-बहन हाथों में विरोधात्मक तख्तियाँ लिए, सड़कों पर नारे लगाते हुए इस रैली में सम्मिलित हुए। इस आयोजन में कई पूज्य जैन आचार्य भगवंतों सहित बड़ी संख्या में साधु-साध्वीगण भी उपस्थित थे।गोड़ीजी जैन मंदिर में आयोजित धर्मसभा में आचार्य अक्षय चंद्र सागर सूरीजी, आचार्य राज परम सूरीजी, आचार्य नयपदम सागर सूरीजी सहित अनेक विद्वान संतों ने अपने आक्रोशपूर्ण विचार व्यक्त किए। वक्ताओं ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में जैन संतों की दुर्घटनाएं एक सोची-समझी साजिश जैसी प्रतीत हो रही हैं और यह समाज के लिए अत्यंत चिंताजनक है।सभा में मुंबई कलेक्टर स्वयं उपस्थित हुए और समाज द्वारा प्रस्तुत माँग पत्र को स्वीकार कर यह आश्वासन दिया कि वह इसे संबंधित उच्च अधिकारियों तक पहुँचाएंगे। महाराष्ट्र सरकार के मंत्री श्री मंगल प्रभात लोढ़ा ने भी सभा में भाग लिया और राज्यपाल से इस संदर्भ में तुरंत फोन पर बातचीत की। राज्यपाल ने आश्वासन दिया कि ऐसी घटनाएं भविष्य में न हों, इसके लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे। सभा को मंगल प्रभात लोढ़ा, मुकेश वर्धन, वीरेंद्र भाई, अतुल शाह, नितिन शाह (मल्टी ग्राफिक), चेतन जावेरी सहित समाज के कई प्रमुख गणमान्य नागरिकों ने संबोधित किया। यह महा रैली मुंबई जैन संघ एवं शासन सैनिक परिवार के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित की गई थी।

महाराष्ट्र सरकार द्वारा डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर समाज भूषण पुरस्कार से सम्मानित होगे तानाजी कांबले

मुंबई (उत्तरशक्ति)। पत्रकारिता और सामाजिक क्षेत्र में 25 वर्षों से अधिक समय तक उल्लेखनीय कार्य करने के लिए वरिष्ठ पत्रकार और सामाजिक कार्यकर्ता तानाजी कांबले को महाराष्ट्र सरकार द्वारा डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर समाज भूषण पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। तानाजी कांबले को अन्याय और उत्पीड़न के खिलाफ लड़ने वाले एक जुझारू कार्यकर्ता के रूप में जाना जाता है। महाराष्ट्र सरकार के सामाजिक न्याय विभाग द्वारा अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, विमुक्त जाति और अन्य पिछड़े वर्गों के कल्याण और विकास के लिए उल्लेखनीय कार्य करने वालों को हर साल अत्यंत महत्वपूर्ण डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर समाज भूषण पुरस्कार दिया जाता है। महाराष्ट्र सरकार के सामाजिक न्याय और विशेष सहायता विभाग, सरकारी निर्णय क्रमांकः पुरस्कार-2025 / प्र.सं.36 दिनांक 6 जून 2025, राज्य के सामाजिक न्याय मंत्री नामदार संजय शिरसाट ने इस पुरस्कार की घोषणा की

बता दें कि वरिष्ठ पत्रकार और सामाजिक कार्यकर्ता तानाजी कांबले सामाजिक कार्यों में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेते हैं।

महापुरुषों के विचारों में उनकी गहरी आस्था है। वे पिछले 25 वर्षों से पत्रकारिता में कार्यरत हैं और कई समाचार पत्रों में पत्रकारिता कर चुके हैं। अपनी पत्रकारिता और सामाजिक कार्यों के माध्यम से तानाजी कांबले ने आम लोगों को न्याय दिलाने के लिए अपने जीवन की परवाह किए बिना संघर्ष किया है। वे अन्याय के खिलाफ सरकारी स्तर पर जागरूकता लाने के लिए लगातार काम कर रहे हैं। उन्होंने किसानों, श्रमिकों, मजदूरों, महिलाओं, विकलांगों और अन्य समूहों के लिए बहुत बड़ा योगदान दिया है।सामाजिक कार्यकर्ता और वरिष्ठ पत्रकार तानाजी कांबले सिंधुदुर्ग जिले के वैभववाड़ी तालुका में अरुणा परियोजना के एक परियोजना पीड़ित हैं। वे अरुणा परियोजना पीड़ितों के अस्तित्व के इस संगठन के अध्यक्ष हैं।इस संगठन के माध्यम से उन्होंने परियोजना पीड़ितों के लिए आवाज उठाई। वे तंटामुक्त समिति के अध्यक्ष भी थे। उनके कार्यकाल के दौरान, गाँव में एक भी तंटामुक्त का रिकॉर्ड नहीं था। वे विश्वरत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर द्वारा स्थापित भारतीय बौद्ध महासभा की सिंधुदुर्ग जिला शाखा के पदाधिकारी हैं। महाराष्ट्र अंधश्रद्धा निर्मूलन समिति ठाणे जिला, भवतु सब मंगलम आदि जैसे प्रतिष्ठित संगठनों ने तानाजी कांबले को उनके सामाजिक कार्यों के लिए सम्मानित किया है।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति**, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.- 9554493941** email ID- uttarshaktinews@gmail.com

प्रेमिका पर टिप्पणी करने पर दोस्त को उतारा मौत के घाट

24 घंटे में हत्या का पदार्फाश, आलाकत्ल पिस्टल बरामद

धर्मेंद्र कुमार शर्मा

बदलापुर, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सिंगरामऊ थाना क्षेत्र के खानपुर गांव में युवक दिलीप गौतम की हत्या के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने 24 घंटे के भीतर हत्या की गुत्थी सुलझाते हुए मुख्य आरोपी रंजीत निषाद को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त पिस्टल, कारतूस और खोखा भी बरामद कर लिया है।शनिवार को पुलिस ने प्रेस नोट जारी करते हुए बताया कि सिंगरामऊ पुलिस टीम ने हरिहरपुर रेलवे क्रॉसिंग के पास से आरोपी रंजीत निषाद पुत्र स्व. सहदेव निषाद निवासी कुधुआ को गिरफ्तार किया। आरोपी से पूछताछ में खुलासा हुआ कि मृतक दिलीप गौतम से उसकी गहरी दोस्ती थी। लेकिन दिलीप द्वारा उसकी प्रेमिका को लेकर की गई टिप्पणी से गुस्से में आकर रंजीत ने दिलीप को गोली मार दी। हत्या के बाद आरोपी ने खुद को संदेह से बचाने के लिए बड़ी चतुराई से दिलीप के परिजनों के साथ अस्पताल भी गया और स्वयं को निर्दोष साबित करने की कोशिश की। लेकिन पुलिस की सतर्कता और परिजनों से मिली सूचनाओं के आधार पर उसे दबोच लिया गया। पुलिस ने आरोपी के घर की तलाशी में बालू के ढेर में छिपाकर रखी गई एक पिस्टल 32 बोर, एक मैगजीन, सात जिंदा कारतूस और एक खोखा कारतूस बरामद किए। आरोपी पर पूर्व में भी चोरी व आपराधिक धाराओं में केस दर्ज हैं। पुलिस ने बताया कि आरोपी के खिलाफ आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

शाही ईदगाह में सकुशल संपन्न हुई ईद उल अजहा की नमाज

सब्र त्याग और इख़्लास सिखाती है कुरबानी: मौलाना अब्दुल जाहिर सिद्दीकी

रियाजुल हक

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। कुबार्नी, अल्लाह के लिए एक जानवर की बलि देने की प्रथा है। हर साल, ईद अल-अजहा (10 से 13 जिल हिज्जा इस्लामी जंतरी का आखरी महीना) के दिन, दुनिया भर के मुसलमान अपनी अपनी हैसियत के मुताबिक हज पूरा होने के उपलक्ष्य में एक जानवर की बलि देते हैं। यह प्रथा पांच हजार साल पहले पैगंबर इब्राहिम (अ.स.) की सुन्नत मानी जाती है, जो आखिरी पैगंबर हजरत मोहम्मद स अ ने भी बदस्तूर जारी रखी। इसी क्रम में जौनपुर में शाही ईदगाह मछली शहर पड़ाव पर ईद की नमाज सुबह 8:15 पर मौलाना जाहिद खुसैमा सिद्दीकी ने अदा कराई उन्होंने अपने खुतबे में बताया कि बकरीद का त्योहार वास्तव में समाज के प्रति समर्पण का त्यौहार है लोगों को अपने समाज व अपने पड़ोसी के बीच सामंजस्य के साथ-साथ प्रेम और भाईचारे के साथ रहना चाहिए किसी के भी हुकुक को नहीं मारना ही सच्ची कुबार्नी है। मौलाना ने अपने खुतबे में कहा कि कौम के लोगों को चाहिए कि वह व्हाट्सएप और यूट्यूब से तकरीर जो सुनते हैं उसके बारे में भली भांति जान ले और कोशिश यह करें कि उनके क्षेत्र के जो आलीम है किसी भी जानकारी के लिए वह अपने नजदीकी आलीम की बात को ही माने क्योंकि यूट्यूब और व्हाट्सएप पर जो इस्लाम के ताल्लुक से विभिन्न प्रकार की बातें कही जा रही हैं उस पर विश्वास नहीं किया जा सकता।शाही ईदगाह में मुख्य रूप से नेयाज ताहिर शेखू, रियाजुल हक खान, सचिव मोहम्मद शोएब खान, अजीम जौनपुरी, हाजी इमरान, जफर राजा, एडवोकेट मुमताज मंसूरी, आमिर कुरैशी, एडवोकेट शमीम, मास्टर तुफैल अंसारी, अबुजर अंसारी, मौलाना ताज, मौलाना आफाक इत्यादि मौजूद रहे।

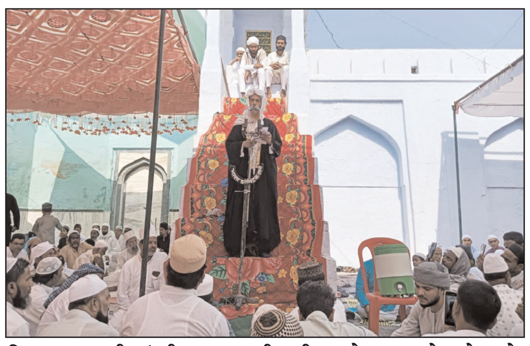

शिया समुदाय ने परम्परागत तरीके से अदा की ईद उल अजहा की नमाज

मुसलमानों को कुबार्नी का पैगाम देती है बकरीद: मौलाना महफूजुल हसन खां

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। शनिवार को ईदुल अजहा की पहली नमाज शिया ईदगाह सदर इमामबाड़ा बेगमगंज जौनपुर में हुज्जत उल इस्लाम जनाब महफुजुल हसन खां इमामे जुमा व प्रिंसिपल जामिया इमानिया नासिरया जौनपुर ने अदा कराई। खुत्बा ए ईदुल अजहा में ईदुल अजहा की अहमियत पर रोशनी डालते हुए कहा कि ईदुल अजहा मुसलमानों को कुबार्नी का पैगाम देती है ।अल्लाह की खुशनूदी हासिल करने के लिए हम सब में इन्सानियत की बहबूद (कल्याण) के लिए अपने जाती मफादात (निजी स्वार्थ) से उपर उठकर कुबार्नी देने का जज्बा होना चाहिए। उन्होंने ईदुल अजहा की मुबारकबाद पेश की और देश की खुशहाली और अमन के लिए दुआ की नमाजियों की संख्या अधिक हो जाने के कारण दूसरी नमाज ईदगाह सदर इमामबाड़ा बेगमगंज में हुज्जत उल इस्लाम मौलाना आबिद आगा खान नजफी ने अदा कराई। इस मौके पर मुतवल्ली शिया जामा मस्जिद नवाब बाग जौनपुर शेख अली मंजर डेजी ने मुबारकबाद पेश की और वतने अजीज हिन्दोस्तान के सुख शांति, समृद्धि की खास दुआ की। नमाज के बाद सांसद बाबू सिंह कुशवाहा एवं जिलाध्यक्ष सपा राकेश मौर्य व विभिन्न राजनीतिक दलों के नेतागण सामाजिक कार्यकर्ता समेत अन्य गणमान्य नागरिकों ने नमाजियों से गले मिलकर ईदुल अजहा की मुबारकबाद पेश की।

अधेड़ का मिला शव, हत्या या सामान्य मौत में उलझी पुलिस, पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार

परिजनों का आरोप- हाथापाई के बाद हुई है हत्या, शरीर पर हैं चोट के निशान

विशाल सोनी

शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। कोतवाली क्षेत्र के एक गाँव में उस वक्त सनसनी फैल गयी। जब सुबह एक अधेड़ व्यक्ति का शव मिला। शव मिलने की खबर जंगल मे आग की तरह फैल गयी।और मौके पर भारी भीड़ इकट्ठा हो गयी। जानकारी के अनुसार कोतवाली क्षेत्र के ग्राम मजडीहा में रेलवे क्रासिंग स्थित प्राथमिक विद्यालय के पास रविवार की सुबह गाँव के कुछ लोगों ने एक अधेड़ का शव देखा शव की सूचना थोड़ी ही देर में पूरे गॉव में फैल गयी।भारी भीड़ में ही शव की पहचान गॉव के ही 62 वर्षीय राजेन्द्र चौहान पुत्र सीताराम चौहान के रूप में हुई। तब तक मृतक के परिजन भी मौके पर पहुँच गए। और उनके करुण क्रंदन से पूरा गाँव गमगीन हो गया। सूचना मिलने पर दल बल के साथ पहुंचे प्रभारी निरीक्षक दीपेंद्र सिंह ने आवश्यक लिखा पढ़ी के बाद विधिक कार्यवाई करने के पश्चात शव को पोस्टमार्टम हेतु जिला अस्पताल भेज दिया। वहीं मृतक के छोटे भाई 50 वर्षीय दारा सिंह चौहान ने आरोप लगाया की मेरे बड़े भाई के साथ किसी की हाथापाई और मारपीट हुई है। शरीर पर चोट के निशान है। वहीं जब इस सम्बंध में डिप्टी एसपी से बात की गई तो उन्होंने कहा की हर एंगल से मामले की जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मामले का सही कारण पता चलेगा।

रामगढ़ नूरी मस्जिद में ईद ऊल अजहा (बकरीद) की नमाज सकुशल संपन्न

रामगढ़,सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। चतरा क्षेत्र के अंतर्गत रामगढ़ कस्बे के नूरी मस्जिद में शनिवार को आठ बजे अकीदत मंद के साथ ईद उल अजहा की नमाज मस्जिद के इमाम आलम नूरी ने अदा अदा कराई देश में अमन चैन की दुआ मांगी गई,वही मुस्लिम समुदाय के लोगो ने एक दूसरे को गले मिलकर ईद उल अजहा की मुबारकबाद दिया। दूसरी तरफ सुरक्षा व्यवस्था में तैनात पुलिस प्रशासन भी बहुत चौकन्ना रहा। पन्नूगंज थाना प्रभारी दिनेश कुमार पांडेय ने पुलिस बल के साथ मुस्तैदी से लगे रहे। क्षेत्र का भ्रमण करते रहे इस दौरान तेजू अंसारी, राजू खान, हसनेंन कादरी, मुजफ्फर, अकबर अंसारी मुजफ्फरूल, अलहम, टीपू, जावेद, जहागिर खान, लकुम अंसारी, नाटे उर्फ हसन, रिक्की उर्फ शाहिद, सुहेल अहमद, रियाज अहमद, गुलजार, इसराइल अंसारी, इजहार अली आदि मुस्लिम समुदाय लोग मौजूद रहे।

लावारिश शव इंतजामिया कमेटी ने दफन करवाया 157वां शव

◆ **शाहगंज रेल्वे ट्रैक से मिला था शव**

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिले में मिलने वाले मुस्लिम लावारिश शव को दफन करवाने वाली कमेटी लावारिस शव इंतजामियां कमेटी ने शाहगंज थाने से मिला हुआ शव आज यहां हमजा चिश्ती स्थित कब्रिस्तान पर दफन करवाया शव के बारे में पुलिस विभाग ने बताया कि यह शव शाहगंज आजमगढ़ रेलवे ट्रैक पर मिला था। हुलिया से नौजवान प्रतीत हो रहा था जिसकी उम्र लगभग 26 या 27 साल होगी शव को पोस्टमार्टम के बाद कमेटी को सौंपा गया ,कमेटी के द्वारा पूर्ण मुस्लिम रीति रिवाज से इसे हजरत हमजा चिश्ती स्थित कब्रिस्तान पर दफन करवाया गया। कमेटी के संस्थापक रियाजुल हक ने बताया कि लॉकडाउन के बाद से मुस्लिम शव को दफन करने का सिलसिला लगातार जारी है उसी कड़ी में यह 157 वा शव था इस मौके पर मुख्य रूप से अनंत कुमार यादव व सूर्यकुमार यादव हेड पुलिस कांस्टेबल व पुलिस कांस्टेबल शाहगंज थाने से मौजूद रहे। वही कमेटी के उपाध्यक्ष इम्तियाज सिद्दीकी व मास्टर मेराज के साथ-साथ बख्तियार आलम, नूरुद्दीन व अकरम मंसूरी भी मौजूद रहे नमाज ए जनाजा अजहर हाफीज ने अदा कराई। विशेष योगदान रहा डॉक्टर इरफान खान, डॉक्टर मोइनुद्दीन, आरिफ अंसारी, जावेद खान, हाजी जियाउद्दीन का।

देवरिया में बकरीद के दिन ईश मोहम्मद ने खुद की दी कुर्बानी

लिखा जहां खूंटा वहीं हो मेरी कब्र

देवरिया(उत्तरशक्ति)। जनपद में बकरईद पर एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है जिसमें एक शख्स ने बकरीद पर बकरे की कुबार्नी की जगह खुद की कुबार्नी दे दी है। जी हां, शख्स ने खुद का गला रेतने से पहले एक चिट्ठी भी लिखा है जिसमें उसने इस बात का जिक्र किया है। शख्स अपना गला रेतने के बाद तड़पता रहा है जिसके बाद उसे गोरखपुर मेडिकल कॉलेज पहुंचाया गया। जहां इलाज के दौरान शख्स ने दम तोड़ दिया है।बता दे कि पूरा मामला देवरिया जनपद के गौरी बाजार थाना क्षेत्र के उधोपुर गांव का है। जहां के रहने वाले 60 साल के ईश मोहम्मद ने खुद की कुबार्नी दे दी है। ईस मोहम्मद ने अपने घर के बाहर बनी झोपड़ी में खुद का गला रेत लिया। बताया जा रहा है कि ईश मोहम्मद करीब एक घंटे तक झोपड़ी में तड़पता रहा। जिसके बाद परिवार वालों ने उसकी कराह सुनी और दौड़कर पहुंचे तो आवक रह गए। ईश मोहम्मद को उनके परिजन आनन फानन में मेडिकल कॉलेज देवरिया ले गए जिसके बाद गोरखपुर मेडिकल कालेज ले गए। जहां इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया।बताया जा रहा है कि ईश मोहम्मद ने मरने से पहले एक सुसाइड नोट भी लिखा है। इस नोट में उन्होंने लिखा है कि ह्यइंसान अपने घर में बकरे को बेटे की तरह पोसकर कुबार्नी करता है। वो भी जीव हैं। कुबार्नी करनी चाहिए मैं खुद अपनी कुबार्नी अल्लाह के रसूल के नाम से कर रहा हूं। किसी ने मेरा कत्ल नहीं किया है। सुकून से मिट्टी देना। किसी से डरना नहीं है। जिस जगह खूंटा है उसी जगह पर मेरी कब्र होना चाहिए। परिजनों ने बताया है कि वह बहुत धार्मिक इंसान था। सुबह ईश मोहम्मद ईद-उल-अजहा की नमाज पढ़कर घर आया था इसके बाद वह सीधे घर के बाहर बनी झोपड़ी में चला गया और काफी देर तक बाहर नहीं आया। जब परिजनों ने जाकर देखा तो झोपड़ी की जमीन पर खून-खून ही फैला था और ईश तड़प रहा था। इसके बाद ईश मोहम्मद को तुरंत हॉस्पिटल ले जाया गया जहां से गोरखपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया जहां ईलाज के दौरान मौत हो गई।यह खबरें आप उत्तरशक्ति पर पढ़ रहे हैं।

वही इस सम्बन्ध में अपर पुलिस अधीक्षक अरविन्द कुमार वर्मा ने बताया कि यूपी 112 पर कालर द्वारा सूचना दी गयी कि जनपद देवरिया के थाना गौरीबाजार के एक व्यक्ति ने अपना गला काट लिया गया है। इस सूचना पर पीआरवी तत्काल मौके पर पहुंची एवं घायल इस मोहम्मद अंसारी उम्र 60 वर्ष को एम्बुलेन्स द्वारा उपचार हेतु मेडिकल कालेज देवरिया भेजा गया। पुनः उनकी स्थिति गम्भीर देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिये बीआरडी मेडिकल कालेज गोरखपुर रेफर कराया गया। दुर्गभाग्यवश उपचार के दौरान उनकी मृत्यु हो गयी। नियमानुसार पीएम एवं पंचायतनामा की कार्यवाही करायी जा रही है। मौके की जांच एवं फील्ड यूनिट द्वारा उपलब्ध कराये गये साक्ष्य से भी प्रथम द्दष्टया स्वंय द्वारा गला काटने की बात की पुष्टि की गयी है। इस सन्दर्भ में अन्य पहलुओं की जांच की जा रही है।

जिलाधिकारी ने किसानों को वितरित किया नि:शुल्क बीज

विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत अबतक आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में 28413 से भी अधिक कृषकों ने किया प्रतिभाग

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चन्द्र द्वारा रविवार को धमार्पुर क्षेत्र पंचायत के सभागार में आयोजित विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत आयोजित किसान गोष्ठी का निरीक्षण किया गया जिसमें किसानों की समस्याओं की जानकारी लेते हुए उन्हें वैज्ञानिक विधि से खेती करने का सुझाव दिए गए। जिलाधिकारी ने 5 किसानों को ढैचा बीज, 5 किसानो को मक्का बीज, 25 किसानों को उर्द, मूँग एवं श्री अन्न के नि:शुल्क मिनीकिट बीज वितरित किया। जिलाधिकारी ने बताया कि जनपद में खरीफ मौसम में उगाई जाने वाली प्रमुख फसलों से सम्बन्धित आधुनिक कृषि तकनीकों एवं जलवायु परिवर्तन प्रभावरोधी कृषि पद्धतियों की जानकारी कृषकों को प्रदान करने हेतु शासन के निर्देश पर 29 मई 2025 से 12 जून 2025 के मध्य संचालित होने वाले विकसित कृषि संकल्प अभियान-2025 को जनपद में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में केवीके, तथा प्रदेश सरकार के कृषि, इफको, उद्यान, पशुपालन, मत्स्य, सहकारिता, सिंचाई/नलकूप एवं लीड बैंक मैनेजर/सीडीएम नाबार्ड संस्थाओं के अधिकारी/कर्मचारी प्रशिक्षक की भूमिका में उपस्थित होकर शासन की किसानोन्मुखी योजनाओं, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, इन्टीग्रेटेड फार्मिंग सिस्टम, कृषि ड्रोन प्रौद्यौगिकी का प्रदर्शन किसानों के बीच उन्नत उत्पादन प्रौद्यौगिकियों जैसे-बीज उपचार, जैव उर्वरकों का प्रयोग, उन्नत बुवाई पद्धतियां, प्राकृतिक खेती की जागरुकता के लिये जानकारी उपलब्ध करायें,जिसमें इस प्रणाली से होने वाले लाभ एवं शासन की नीतियों के बारे में कृषक जागरूक हो सकें। कार्यक्रम में कृषकों को आई.एन.एम., आई.पी.एम., संसाधन संरक्षण प्रौद्योगिकी, उन्नत सिंचाई पद्धतियां, कृषि निवेश व्यवस्था आदि के सम्बन्ध में किसानों को जागरुक किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त किसानों को फार्मर रजिस्ट्री तैयार कराने के सम्बन्ध में जानकारी प्रदान कर अवशेष किसानों की फार्मर रजिस्ट्री करायी जायेगी। कार्यक्रम का संचालन उप परियोजना निदेशक आत्मा डा. रमेश चंद्र यादव ने किया। इस मौके पर उप कृषि निदेशक हिमांशु पांडेय, उप जिलाधिकारी सदर सन्तवीर सिंह, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डा. ओपी श्रीवास्तव, डीपीआरओ नत्थूलाल, कृषि वैज्ञानिक डा. प्रगति यादव, डा. हरिओम वर्मा, एडीओ एजी. अमरेन्द्र प्रताप सिंह, गुलाब मौर्य, संध्या सिंह, सोनम राय, चंद्रशेन सिंह सहित किसान मौजूद रहे।

पत्रकार पर फर्जी मुकदमे के विरोध में प्रदेशभर में सौंपे जाएंगे ज्ञापन

10 जून को मुख्यमंत्री को संबोधित कर सौंपा जाएगा मांग पत्र, जौनपुर ईकाई देगी ज्ञापन

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद (पंजीकृत) के राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेंद्र कुमार मिश्रा के निर्देशानुसार, पत्रकार उत्पीड़न के विरोध में प्रदेशव्यापी ज्ञापन अभियान चलाया जाएगा।

मालूम हो कि 2 जून 2025 को बांदा जनपद में परिषद के युवा प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष नीरज निगम को रात्रि में पुलिस द्वारा फोन पर बुलाकर बिना किसी वैध कारण अथवा पूर्व विवाद के झूठे मुकदमे में फंसा दिया गया। पुलिस द्वारा की गई इस कार्रवाई को पत्रकारों की स्वतंत्रता और अभिव्यक्ति के अधिकार पर सीधा हमला माना जाएगा है। इस घटना के विरोध में परिषद द्वारा 10 जून 2025 दिन मंगलवार को प्रदेशभर में समस्त जिले के आला अधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपने का निर्णय लिया गया है। जौनपुर जनपद में यह ज्ञापन कार्यक्रम जिलाध्यक्ष तामीर हसन की अगुवाई मे समस्त पदाधिकारी और सदस्य देंगे। परिषद के पदाधिकारियों ने सभी तहसील अध्यक्षों एवं पत्रकार साथियों से अपील की है कि वे अपनी टीम सहित उक्त कार्यक्रम में सहभागिता सुनिश्चित करें तथा पत्रकार सुरक्षा के इस आंदोलन को मजबूती प्रदान करें। राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद ने यह भी स्पष्ट किया है कि यदि पत्रकार उत्पीड़न के मामलों में शीघ्र न्यायोचित कार्रवाई नहीं हुई, तो संगठन को आंदोलन के लिए बाध्य होना पड़ेगा।

ओटीपी पूछकर महिला के खाते से उड़ाए 98 हजार

डॉ.एस.के.मिश्र

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के रोहनिया क्षेत्र के कादीपुर गांव की रहने वाली पूनम साइबर ठगी का शिकार हो गईं। ठगों ने प्रसव अनुदान दिलाने के नाम पर उनके खाते से 98 हजार रुपये उड़ा लिए। पीड़िता ने साइबर थाने में शिकायत की है। पीड़िता पूनम ने बताया कि गांव की आशा कार्यकर्ता बिंदू देवी ने उन्हें एक मोबाइल नंबर दिया और कहा कि प्रसव के बाद सरकार की ओर से मिलने वाला आर्थिक लाभ प्राप्त करने के लिए उस नंबर पर बैंक से जुड़ी जानकारी भेजनी होगी।

पूनम ने शनिवार को उस मोबाइल नंबर पर बैंक की जानकारी शेयर की। इसके कुछ ही देर बाद उनके मोबाइल पर ओटीपी आया और तुरंत एक कॉल भी आया, जिसमें उनसे ओटीपी पूछा गया। अनजान व्यक्ति को ओटीपी बताते ही पूनम के खाते से दो बार में कुल 98 हजार रुपये कट गए। घटना की जानकारी पूनम ने अपने पति सोनू को दी, जो पेशे से राजगीर हैं। जब वे रोहनिया थाने पहुंचे, तो वहां से उन्हें साइबर सेल भेज दिया गया और शिकायत दर्ज कराने को कहा गया। पीड़ित परिवार ठगी की रकम वापस मिलने और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की उम्मीद लगाए हुए है।

रोडवेज बस की टक्कर से युवक की मौत, परिजनों में मचा कोहराम, बस लेकर चालक फरार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सिकरारा थाना क्षेत्र के गोपालपुर(देहजूरी) निवासी दूधनाथ गौतम आज रविवार लगभग 12:30 बजे अपने बाइक से बाजार में डीजल लेने जा रहे थे। जौनपुर की तरफ से आ रही रोडवेज बस की चपेट में आ गया और वह घायल हो गया स्थानीय लोगो ने 108 एंबुलेंस द्वारा उसे जिला अस्पताल भेजवाया उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई मौत की खबर सुनते ही परिजनों में कोहराम मच गया पुलिस मृतक को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक के घर बीते 6 जून को बड़े भाई की शादी थी। मृतक अपनी रोजी रोटी के सिलसिले में मुंबई रहता था।

गर्मी में ठंडे पेय पदार्थो के सेवन में बरते सावधानी: डॉ.रफीक फारुकी

उमस भरी गर्मी का संपूर्ण स्वास्थ्य पर पड़ता है प्रभाव: डॉ.राजकुमार मिश्रा

डॉ इम्तियाज/शिव कुमार प्रजापति

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। बढ़ती जनसंख्या एवं शहरी परिवेश में रहने वाले जनमानस का शरीर अनुकूल वातावरण में रहने का आदी हो गया है। ऐसे में विपरीत वातावरण में अनुकूलन की समस्या जरूर रहती है। भारतीय उपमहाद्वीप में गर्मी एवं मानसून का जॉइंट रूप रोग पैदा करने वाले सूक्ष्मजीवों को पनपने का माहौल देता है। व्यक्ति का आहार और दिनचर्या की अनियमितता बीपी थायराइड शुगर एलर्जी के मरीजों की परेशानियां बढ़ाने के लिए काफी होती है। बढ़ती असहनीय उमस के दिनों की बढ़ती संख्या के बीच आपके संपूर्ण स्वास्थ्य को बनाए रखने के उपाय उत्तरशक्ति हिन्दी दैनिक सेहत को ध्यान में रखते हुए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शाहगंज के अधीक्षक मधुमेह रोग विशेषज्ञ डॉ. रफीक फारुकी से व्यक्ति की सेहत पर रूबरू हुआ।

> लापरवाही मौसमी बीमारियां का प्रभाव सेहत पर पड़ता है भारी उमस भरी गर्मी का असर। आपके संपूर्ण स्वास्थ्य पर पड़ता है प्रभाव ।ऐसे में खानपान पहनावे एवं रोज मर्रा की कामों में सजगता का महत्व बढ़ जाता है। अगर आप पहले से बीपी शुगर के मरीज है तो अपने डॉक्टर से मिलकर ही डाइट एवं दवा का निर्धारण करें।
>
> **डॉ.रफीक फारुकी**
> सीएचसी अधीक्षक शाहगंज जौनपुर

सीएचसी अधीक्षक शाहगंज डॉ रफीक फारूकी ने कहा कि उमस भरी गर्मी में पहनावे खानपान एवं कार्यशैली का अनुशासन रखेगा प्रत्येक व्यक्ति को स्वस्थ। प्रचंड गर्मी में हल्के एवं फुल बाजू के कपड़े जैसे की सूती कपड़े पहनकर कर ढक कर बाहर निकले। खाने पीने के मौसमी फलों मौसमी सब्जियां एवं कम तेल मसाले का इस्तेमाल करें। चाहे जितना भी जरूरी हो धूप के पीक आवर्स में अपने काम को करने के लिए बाहर न निकले।

गर्मी में ठंडे पेय पदार्थों के सेवन में बरते सावधानी व्यक्ति उमेश भरी गर्मी में ठंडे पेय पदार्थ का सेवन अधिक करता है। ऐसे में लोग ज्यादातर सॉफ्ट ड्रिंक का सेवन करते हैं सॉफ्ट ड्रिंक के बनाने में जिन इंग्रेडिएंट्स का प्रयोग किया जाता है उनमें चीनी की मात्रा एवं कैफीन जैसे पदार्थों की मात्रा बहुत ज्यादा होती है जो हर हाल में आपकी सेहत के लिए नुकसानदायक होती है इसके अतिरिक्त बेहद ठंडा पानी का सेवन भी नुकसानदायक होता है इससे हमारे रेस्पिरेटरी ट्रैक एवं आहार मार्ग में इंफेक्शन होने का खतरा बढ़ जाता है। अच्छा है की प्यास महसूस होने पर आप सदा पानी पिए जो कि काम ठंडा हो नारियल पानी का सेवन कर सकते हैं छाछ पी सकते हैं। लस्सी पी सकते हैं। याद रखें घरेलू पेय पदार्थ में भी चीनी का कम से कम इस्तेमाल करें साथ ही मौसमी फलों का सेवन इत्यादि का इस्तेमाल कर सकते हैं।

सूक्ष्मजीवों अथवा रोगाणुओं के प्रसार को कैसे रोके का जवाब मधुमेह रोग विशेषज्ञ डॉक्टर रफीक फारूकी ने बहुत ही सरलता से दिया और कहा कि...

- ◆ बार-बार साबुन और पानी से हाथ धोएं खासकर खाने से पहले और बाद में और शौचालय का उपयोग करने के बाद।
- ◆ खासने और छीकने के दौरान मुंह ढॉकना।
- ◆ अपनी बाह से या तौलिया से अपने मुंह और नाक को ढके।
- ◆ बीमार लोगों से दूर रहना।
- ◆ अपने घर और आसपास के वातावरण को साफ रखें।
- ◆ स्वस्थ और संतुलित आहार लें जो आपके शरीर को रोगाणुओं से लड़ने में मदद करें।
- ◆ प्रयाप्त नींद ले तनाव कम करें।
- ◆ टीका लगवाएं अपने बच्चों और खुद को बीमारियों से बचाने के लिए टीके लगवाएं।

कांदिवली में रक्तदान शिविर के आयोजन में पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी ने की शिरकत

कांदिवली, मुंबई। समर्पण के तत्वावधान में रक्तदान शिविर का आयोजन केशर आशिष बिल्डिंग, बसंत काम्प्लेक्स, महावीर नगर कांदिवली-पश्चिम में किया गया।इस शिविर में प्रमुख अतिथि के रूप में उत्तर मुंबई के पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी ने उपस्थिति दर्ज कराई और रक्तदाताओं का हौंसला बढ़ाया। उन्होंने स्व. प्रमोद गिलानी के पुण्य स्मरणार्थ हर वर्ष रक्तदान शिविर आयोजित करने वाले उनके पुत्र यश गिलानी के प्रयासों की प्रशंसा भी की। जनसेवक गोपाल शेट्टी ने सभी रक्तदाताओं को सर्टिफिकेट प्रदान किया और भविष्य में भी समय-समय पर रक्तदान जैसा महादान करके जरूरतमंदों का जीवन बचाने में योगदान देने का आह्वान किया।

अहमदाबाद के पूर्व महापौर का मीरा रोड में भव्य स्वागत

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा रोड में गुजरात अहमदाबाद के पूर्व महापौर गौतम शाह का मुंबई आगमन पर आज मीरा रोड में भव्य स्वागत किया गया। भाजपा उत्तर भारतीय मोर्चा मीरा भाईंदर के महामंत्री एवं भाजपा नेता संदीप तिवारी के कार्यालय में रक्खे स्वागत समारोह में मीरा भाईंदर के गणमान्यों ने मिलकर स्वागत किया। स्वागत समारोह में भाजपा नेता संदीप तिवारी, वरिष्ठ समाज सेवक रत्नाकर मिश्र, वरिष्ठ पत्रकार महेंद्र पाण्डेय, अधिवक्ता डी के पाण्डेय, कमलेश दुबे, अधिवक्ता प्रमथेश शुक्ला, रवि तिवारी, सुरेंद्र तिवारी, ओम पाण्डेय, मनीष मिश्र, सूरज तिवारी, योगेश दुबे के साथ साथ सैकड़ों की तादात में लोगों ने स्वागत समारोह में भाग लिया।

महाराष्ट्र में पहला और भारत में 26वां स्टोर ठाणे में खुला

ठाणे। वैश्विक खुदरा दिग्गज अपैरल ग्रुप ने महाराष्ट्र में अपने अग्रणी लाइफस्टाइल फैशन ब्रांड फ&इ के लॉन्च की घोषणा की, हाल ही में ठाणे के आर मॉल में एक फ्लैगशिप स्टोर का शुभारंभ किया। 10,000 वर्ग फुट से अधिक क्षेत्र में फैला यह स्टोर फ&इ की विस्तार यात्रा में एक रणनीतिक मील का पत्थर है क्योंकि यह भारत में अपनी उपस्थिति को और मजबूत करना चाहता है।

रिंकू सिंह और सपा सांसद प्रिया सरोज की हो गई सगाई आशीर्वाद देने अखिलेश-जया समेत कई हस्तियां पहुंचीं

-शिवकुमार प्रजापति

जौनपुर /लखनऊ। क्रिकेटर रिंकू सिंह और प्रिया सरोज ने सगाई कर ली है। रिंग सेरेमनी लखनऊ के पांच सितारा होटल्ल्ल३१४ में रखी गई थी। इस सेरेमनी में टीम इंडिया के पूर्व क्रिकेटर्स प्रवीण कुमार और पीयूष चावला के अलावा यूपी रणजी टीम के कप्तान आर्यन जुयाल जैसे नामचीन खिलाड़ी शामिल हुए। टीम इंडिया के क्रिकेटर रिंकू सिंह और समाजवादी पार्टी सपा की सांसद प्रिया सरोज ने सगाई कर ली है। 8 जून (रविवार) को परिवार और दोस्तों की मौजूदगी में दोनों ने एक-दूसरे को रिंग पहनाई। रिंग सेरेमनी लखनऊ के पांच सितारा होटल्ल्ल३१४ में रखी गई थी। इस सेरेमनी में टीम इंडिया के पूर्व क्रिकेटर प्रवीण कुमार और पीयूष चावला के अलावा यूपी रणजी टीम के कप्तान आर्यन जुयाल जैसे नामचीन खिलाड़ी शामिल हुए, रिंकू-प्रिया की शादी की डेट भी फाइनल हो चुकी है। दोनों की शादी 18 नवंबर को वाराणसी में होनी है।

पहलगाम पहुंचकर पूर्व चेयरमैन मनोज धामा ने दी श्रद्धांजलि

गाजियाबाद। लोनी नगरपालिका के पूर्व चेयरमैन मनोज धामा ने हाल ही में पहलगाम का दौरा किया, जहां उन्होंने आतंकी हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दुखद घटना ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया था, और मनोज धामा ने अपनी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए मृतकों के प्रति सम्मान प्रकट किया। उन्होंने इस अवसर पर पीड़ित परिवारों के प्रति गहरी सहानुभूति जताई और शांति की अपील की। मनोज धामा, जो लोनी में अपने सामाजिक और राजनीतिक कार्यों के लिए जाने जाते हैं, ने इस मौके पर लोगों से एकजुटता और भाईचारे का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाएं समाज को कमजोर नहीं कर सकतीं, बल्कि हमें और मजबूत बनाती हैं। धामा ने सरकार से मृतकों के परिवारों को उचित सहायता और सुरक्षा प्रदान करने की मांग भी की। उनके इस कदम की स्थानीय लोगों ने सराहना की, और कई लोगों ने इसे एकजुटता का प्रतीक बताया। मनोज धामा का यह दौरा न केवल श्रद्धांजलि का एक प्रयास था, बल्कि सामाजिक सद्भावना को बढ़ावा देने का भी एक संदेश

मध्य-स्तरीय प्रबंधकों को भविष्य में सीएक्सओ भूमिकाओं में तेजी लाने के लिए ग्लोबलज्ञान ने शुरू किया सारथी लीडरशिप प्रोग्राम

मुंबई। ग्लोबलज्ञान लीडरशिप एकेडमी ने अपने प्रमुख कार्यकारी शिक्षा पहल सारथी लीडरशिप प्रोग्राम के 2025 संस्करण के लिए नामांकन शुरू कर दिया है। यह परिवर्तनकारी यात्रा मध्य-स्तर के प्रबंधकों को रणनीतिक नेतृत्व में कदम रखने और सीएक्सओ भूमिकाओं के लिए तैयार करने में मदद करने के लिए तैयार की गई है। पारंपरिक कार्यक्रमों के विपरीत जो सिद्धांत पर बहुत अधिक निर्भर करते हैं, सारथी नेतृत्व विकास के लिए एक गहन अनुभवात्मक और व्यावहारिक दृष्टिकोण प्रदान करता है। इमर्सिव लर्निंग लैब, रियल-टाइम सिमुलेशन और भारत के कुछ सबसे सम्मानित नेतृत्व प्रशिक्षकों से मार्गदर्शन के माध्यम से, कार्यक्रम रणनीतिक स्पष्टता, भावनात्मक लचीलापन और जटिल व्यावसायिक वातावरण में परिवर्तनकारी बदलाव का नेतृत्व करने की क्षमता का निर्माण करता है। कार्यक्रम को चार प्रगतिशील चरणों में संरचित किया गया हैः प्री-इमर्शन, स्ट्रेटेजिक लीडरशिप एक्सेलेरेटर, एग्जीक्यूटिव इन्फ्लुएंस स्टूडियो और पोस्ट-इमर्शन कोचिंग। अनुभव का एक आधार दो इन-पर्सन, तीन-दिवसीय इमर्शन लैब हैं, जहाँ प्रतिभागी लाइव केस एक्सप्लोरेशन, रणनीतिक निर्णय लेने और अनिश्चितता के तहत नेतृत्व के निर्णय को तेज करने के लिए डिजाइन किए गए प्रशंसित गेम ऑफ स्टोन्स सिमुलेशन में शामिल होते हैं। सारथी को जो अलग बनाता है, वह है उच्च-प्रभाव वाले नेतृत्व कोचों की इसकी फैकल्टी, जिसमें श्रीनिवास अडेपल्ली, चंद्रमौली पी., अभिषेक कुमार और सुमन अडेपल्ली शामिल हैं - अनुभवी विशेषज्ञ जिन्होंने महिंद्रा समूह, एचयूएल, आईटीसी और आदित्य बिड़ला समूह जैसे शीर्ष कॉरपोरेट्स में नेतृत्व विकास कार्यक्रम दिए हैं। उनका वास्तविक दुनिया का अनुभव प्रतिभागियों को व्यावसायिक वास्तविकताओं में आधारित कार्रवाई योग्य अंतर्दृष्टि और मार्गदर्शन प्राप्त करने में सक्षम बनाता है। ग्लोबलज्ञान लीडरशिप अकादमी के निदेशक श्रीनिवास अडेपल्ली ने कहा कि आज के मध्य-स्तर के नेता अक्सर क्रियान्वयन और रणनीति के बीच की खाई में फंस जाते हैं, अत्यधिक सक्षम होते हैं, फिर भी हमेशा उद्यम स्तर पर प्रभाव डालने के लिए दृष्टिकोण या उपकरणों से लैस नहीं होते हैं। कार्यक्रम की फीस रुपए 4,00,000 प्लस लागू कर है। 31 मई, 2025 तक पंजीकरण कराने वाले प्रतिभागियों के लिए रुपए 3,50,000 प्लस कर की शुरूआती कीमत उपलब्ध है। 2016 से 60 से अधिक उद्यमों में 43,000 से अधिक प्रबंधकों को सशक्त बनाने के ग्लोबलज्ञान के ट्रैक रिकॉर्ड द्वारा समर्थित, सारथी लीडरशिप प्रोग्राम नेतृत्व विकास के लिए मानक को आगे बढ़ाता है।

डीजे पर डांस को लेकर हुआ विवाद

आजमगढ (उत्तरशक्ति)। बरदह थाना क्षेत्र के बर्रा गांव में तीन दिन पहले एक बारात के दौरान डीजे पर डांस को लेकर शुरू हुआ विवाद शुक्रवार देर शाम हिंसक रूप ले लिया। जौनपुर जनपद के आनापुर चकवा बाजार से इनोवा वाहन में सवार होकर आ रहे लोगों पर गांव के कुछ लोगों ने हमला बोल दिया। हमलावरों ने वाहन का पिछला शीशा तोड़ दिया और जान से मारने की धमकी दी। सूचना पर डायल 112 पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची, लेकिन ग्रामीणों ने आक्रोशित होकर पुलिस का विरोध शुरू कर दिया। स्थिति तब और बिगड़ गई।

जुबिलेंट फूडवर्क्स लिमिटेड में पीयू के 10 छात्रों का चयन

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के केंद्रीय प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट प्रकोष्ठ के तत्वावधान में चल रहे कैम्पस प्लेसमेंट ड्राइव के अंतर्गत शनिवार को जुबिलेंट फूडवर्क्स लिमिटेड, बैंगलोर द्वारा बायोटेक्नोलॉजी विभाग के 10 छात्रों का चयन अप्रेंटिस ट्रेनी/ग्रेजुएट अप्रेंटिस ट्रेनी पद के लिए किया गया। चयनित छात्र हैंः प्रिया सोनकर, प्रज्ञा सिंह, श्रेया सिंह, साक्षी मिश्रा, स्मृति पांडेय, सुजीत कुमार, उर्वी मिश्रा, श्रेया आर्या, विष्णु मौर्य एवं शैलेश गिरी।

कुलपति प्रोफेसर वंदना सिंह ने चयनित छात्रों को बधाई और शुभकामनाएं दी।इस अवसर पर कंपनी के डिप्टी जनरल मैनेजर अमर दीप यादव, सीनियर एग्जीक्यूटिव मनोज कुमार यादव तथा अश्वनी जैसवाल ने दो चरणों में साक्षात्कार प्रक्रिया को सम्पन्न कराया। पहले चरण में प्री-प्लेसमेंट टॉक आयोजित की गई जिसमें कंपनी की जानकारी, जॉब प्रोफाइल, सैलरी और सेवा शर्तों पर प्रकाश डाला गया।

इसके बाद पात्र छात्रों का साक्षात्कार लिया गया।कार्यक्रम में प्लेसमेंट समन्वयक प्रो. प्रदीप कुमार ने आगामी जॉब फेयर-2025 की जानकारी देते हुए बताया कि 12 व 13 जून को होने वाले इस मेगा इवेंट में 8 कंपनियों को आमंत्रित किया गया है, जिसमें विश्वविद्यालय एवं संबद्ध महाविद्यालयों के छात्रों के लिए नौकरी पाने का उत्तम अवसर है।कार्यक्रम में उप समन्वयक सुशील कुमार ने सभी अतिथियों का स्वागत किया और प्लेसमेंट से द्वारा चलाई जा रही गतिविधियों पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर उप समन्वयक डॉ. विशाल यादव, श्याम त्रिपाठी एवं दिनेश अस्थाना सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

वेस्कोआ ने बी.आर्क, एम.आर्क और डिप्लोमा कार्यक्रमों के लिए शुरू किया

मुंबई। वास्तुकला शिक्षा में मुंबई के अग्रणी संस्थानों में से एक विवेकानंद एजुकेशन सोसाइटी के कॉलेज ऑफ आर्किटेक्चर (वेस्कोआ) को यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि शैक्षणिक वर्ष 2025-26 के लिए इसके बैचलर ऑफ आर्किटेक्चर (बी.आर्क), मास्टर ऑफ आर्किटेक्चर (एम.आर्क), डिप्लोमा इन आर्किटेक्चर और डिप्लोमा इन इंटीरियर डिजाइन एंड डेकोरेशन कार्यक्रमों में प्रवेश अब खुल गए हैं।

सात वर्षों में श्एरउडअ ने अकादमिक उत्कृष्टता, रचनात्मक अन्वेषण और सामाजिक जिम्मेदारी के लिए प्रतिष्ठा बनाई है। डिजाइन सोच, तकनीकी नवाचार और सामुदायिक जुड़ाव में निहित पाठ्यक्रम के साथ कॉलेज छात्रों को आत्मविश्वास और उद्देश्य के साथ निर्मित पर्यावरण की उभरती जरूरतों को पूरा करने के लिए तैयार करता है।

काउंसिल ऑफ आर्किटेक्चर और मुंबई विश्वविद्यालय से संबद्ध श्एरउडअ भविष्य के लिए तैयार पेशेवरों को पोषित करने के लिए व्यावहारिक शिक्षा के साथ अकादमिक कठोरता को एकीकृत करता है। पांच वर्षीय बी.आर्क कार्यक्रम वास्तुशिल्प डिजाइन, नियोजन और निर्माण में व्यापक शिक्षा प्रदान करता है।

यह स्टूडियो-आधारित परियोजनाओं को फील्डवर्क और अंतःविषयक शिक्षा के साथ जोड़ता है ताकि तकनीकी और रचनात्मक दोनों तरह की योग्यताएं विकसित की जा सकें।

एम.आर्क कार्यक्रम अनुसंधान और विशेषज्ञता के लिए एक उन्नत मंच प्रदान करता है, जो छात्रों को वास्तुकला और शहरी विकास में महत्वपूर्ण मुद्दों का पता लगाने के लिए प्रोत्साहित करता है।

इस बीच डिप्लोमा इन आर्किटेक्चर और डिप्लोमा इन इंटीरियर डिजाइन और डेकोरेशन प्रोग्राम उन छात्रों के लिए एक व्यावहारिक, कौशल-केंद्रित मार्ग प्रदान करता है, जो डिजाइन और निर्माण विधियों की एक मजबूत आधारभूत समझ के साथ वास्तुकला के क्षेत्र में प्रवेश करना चाहते हैं।

नए प्रवेश चरण के शुभारंभ पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए श्एरउडअ के प्रिंसिपल डॉ. प्रो. आनंद अचारी ने कहा कि श्एरउडअ में हमारा मानना है कि वास्तुकला केवल इमारतों के बारे में नहीं है, बल्कि जीवन, समुदायों और भविष्य को आकार देने के बारे में है।

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने पर्यावरण माह 2025 की शुरूआत की

पटना (उत्तरशक्ति)। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने सतत संसाधन प्रबंध अभियान थीम वाले पर्यावरण माह 2025 की शुरूआत की। इसके तहत कंपनी ने निरंतरता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की है। यह पहल टोयोटा पर्यावरण चुनौती 2050 के व्यापक लक्ष्यों और टोयोटा ग्लोबल विजन 2050 को साकार करने के लिए जागरूकता बढ़ाने की वैश्विक थीम के अनुरूप है। इस अभियान का उद्देश्य कंपनी और इसकी मूल्य श्रृंखला में स्थिरता की संस्कृति को मजबूत करना है। इस मौके पर अपने विचार रखते हुए टोयोटा किर्लोस्कर मोटर के कार्यकारी उपाध्यक्ष और निदेशक (विनिर्माण) बी पद्मनाभ ने कहा, टीकेएम में पर्यावरण संरक्षण हमारे कॉर्पोरेट दर्शन और परिचालन रणनीति में गहराई से समाया हुआ है। पर्यावरण माह सिर्फ.एक कैलेंडर इवेंट से कहीं ज्यादा है, यह हमारे मूल्य श्रृंखला में हर व्यक्ति के लिए हरित भविष्य में सक्रिय रूप से योगदान करने के लिए एक कार्रवाई का आह्वान है। शून्य आधार सोच के प्रति हमारी प्रतिबद्धता हमें वृद्धिशील सुधारों से आगे बढ़कर ऐसे परिवर्तनकारी समाधानों को अपनाने के लिए प्रेरित करती है जो स्थायी प्रभाव पैदा करते हैं। प्रत्येक पहल को न केवल हितधारकों को जोड़ने के लिए डिजाइन किया गया है बल्कि टिकाऊ जीवन और हरित नवाचारों में व्यावहारिक अंतर्दृष्टि भी प्रदान करता है।

पुलिस ने धर्म परिवर्तन कराने वाले तीन आरोपियों किया गिरफ्तार

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। थाना सुजानगंज पुलिस टीम द्वारा आज दिनांक-08.06.2025 को प्राप्त संतोष मौर्या की सूचना पर हिन्दू धर्म से इसाई धर्म में परिवर्तन कराने वाले तीन आरोपियों बिरेन्द्र कुमार बिन्द पुत्र स्व0 रामदेव उम्र 30 वर्ष निवासी ग्राम अन्दावा थाना सराय इनायत जनपद प्रयागराज, कुन्दन बनवासी पुत्र मकर बनवासी उम्र 25 वर्ष निवासी ग्राम कुरावा थाना सुजानगंज जौनपुर, सुनील बनवासी पुत्र पप्पू बनवासी निवासी ग्राम कुरावा थाना सुजानगंज जौनपुर को धर्म परिवर्तन कराते हुए ग्राम कुरावा में प्रधानमंत्री आवासीय कालोनी में चन्दु के घर से गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से धर्म परिवर्तन कराने के सम्बन्धित कागजात व 03 बाइबील पुस्तक बरामद की गयी है। उक्त के सम्बन्ध में थाना सुजानगंज पर मु0अ0सं0-145/2025 धारा- 299/196 इ॰र व 3/5(1) उ0प्र0 विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम, 2021 बनाम 03 अभियुक्त उपरोक्त पंजीकृत कर अन्य आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है।

शांतिपूर्ण संपन्न हुआ ईद उल अजहा का पर्व

सिवान (उत्तरशक्ति)। सिवान बिहार के महाराजगंज में शनिवार के दिन ईद-उल-अजहा यानि बकरीद का त्योहार मनाया गया।महाराजगंज अनुमंडल क्षेत्र में मस्जिदों में विशेष नमाज अदा की गई। सुबह से ही लोग मस्जिदों में उमड़ने लगे। महाराजगंज शहर और ग्रामीण क्षेत्र के मस्जिद में भी लोग सुबह से ही बकरीद पर नमाज अदा करते रहे।

उधर, ग्रामीण क्षेत्र के जिगरवा, देवरिया, टेघड़ा, नौतन, सोनवर्षा, आदि गांव समेत अनुमंडल क्षेत्र भर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। मस्जिदों और ईदगाह के बाहर भी पुलिस मुस्तैद रही। साथ ही बकरीद पर कुबानी को लेकर अनुमंडल की एसडीओ अनीता सिन्हा,एसडीपीओ राकेश कुमार रंजन ने जिला प्रशासन के निर्देश पर गाइडलाइन भी जारी की थी। बकरों की कुबानी तय जगहों पर किए जाने और प्रतिबंधित जानवरों की कुबानी नहीं करने की अपील की गई थी। साथ हीं बकरों के अवशेषों को यात्र - तत्र न फेक कर उसे जमीन में गाड़ देने का निर्देश जारी था . कुल मिलाकर बकरीद शांति पूर्ण सम्पन्न हुई.।

जीवन बचाने के लिए आइबिस इंडिया ने चलाया समुद्र तट सफाई अभियान

मुंबई। वर्ल्ड ओशियन डे 2025 के मौके पर आइबिस इंडिया ने पर्यावरण की सुरक्षा के लिए देशभर में समुद्र तट सफाई अभियान शुरू किया। मुंबई, चेन्नई, गोवा और कोच्चि के 10 आइबिस होटलों ने स्थानीय एनजीओ के साथ मिलकर यह सफाई अभियान चलाया गया। मुंबई के जुहू कोलीवाड़ा समुद्र तट पर भी सफाई अभियान चलाया गया। इस अभियान में 600 से ज्यादा लोगों ने हिस्सा लिया और सिर्फ एक दिन में 500 किलो से ज्यादा कचरा इकट्ठा किया। इस साल की वैश्विक थीम वंडरः सस्टेनिंग व्हाट सस्टेंस असह्व के अनुसार इस अभियान ने समुद्री जीवन और प्रकृति को बचाने के महत्व को दिखाया। गौरतलब है कि समुद्री जीवन और प्रकृति धरती पर सभी जीवों के जीवन का सहारा है। आइबिस के कई होटल समुद्र तटों और पानी के किनारे स्थित हैं, इसलिए वे समुद्र में होने वाले प्रदूषण को सीधे महसूस करते हैं। सफाई अभियान से न केवल नुकसानदायक कचरा हटाया गया, बल्कि स्थानीय लोगों को समुद्र की सफाई के बारे में जागरूक भी किया गया। यह समंदरों की सेहत सुधारने के बड़े प्रयासों में भी मददगार रहा।

आइबिस और आइबिस स्टाइल्स इंडिया के ऑपरेशन्स डायरेक्टर तेजस जोस ने कहा, ह्लआइबिस में पर्यावरण की देखभाल सिर्फ एक पहल नहीं, बल्कि हमारे ब्रांड का हिस्सा है। यह सफाई अभियान सिर्फ कचरा हटाने के लिए नहीं था, बल्कि समुद्री जीवन को बचाने और लोगों को स्थायी बदलाव की ओर प्रेरित करने का एक अहम कदम था। हम मानते हैं कि होटल इंडस्ट्री भी समाज में अच्छा बदलाव ला सकती है और यह बदलाव लाना भी चाहिए।

सफाई अभियान के साथ-साथ आइबिस होटलों ने समुद्री प्रदूषण पर जागरूकता सत्र भी आयोजित किए। उन्होंने स्कूल के बच्चों, मछुआरों और पर्यटकों के साथ मिलकर इंटरैक्टिव और शैक्षिक गतिविधियाँ कीं, ताकि लोग लंबे समय तक पर्यावरण के प्रति ज़िम्मेदार व्यवहार अपनाएं।

जिलाधिकारी के द्वारा अस्थाई गो-आश्रय स्थल धमार्पुर का औचक निरीक्षण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र के द्वारा अस्थाई गो-आश्रय स्थल धमार्पुर का औचक निरीक्षण किया गया।निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी के द्वारा निर्देशित किया गया कि गर्मी के दृष्टिगत पशुओं को नियमित रूप से नहलाया जाए इसके साथ ही गोवंशों के हरे चारे की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उनके खाने में हरा चारा, चोकर और पशु आहार की मात्रा बढ़ाई जाए, जिससे कि गोवंश स्वस्थ रहे। जिलाधिकारी ने गो आश्रय स्थल में एक चरनी (नाद) जिसकी ऊंचाई कम थी, उसे बढ़ाने के निर्देश दिए जिससे गोवंशों को भोजन के दौरान समस्या न हो। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पाया कि पूर्व में दिए गए निर्देश के क्रम में गो आश्रय स्थल में सीसीटीवी कैमरा लगाया गया है और वृक्षारोपण भी किया गया है।उन्होंने पशु चिकित्साधिकारी को निर्देशित किया कि पशुओं की नियमित रूप से जांच की जाए, इलाज के अभाव में किसी भी गोवंश की मृत्यु न होने पाए। केयरटेकर को निर्देशित किया कि गोवंशों का अच्छे से देखभाल किया जाए।इस अवसर पर उप जिलाधिकारी सदर संतवीर सिंह, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. ओपी श्रीवास्तव, खंड विकास अधिकारी कृष्ण मोहन यादव, पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ0 धर्मेंद्र सिंह, ग्राम विकास अधिकारी सहित अन्य उपस्थित रहे।

दहेज नहीं मिला, पति पर दूसरी शादी का आरोप

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जफराबाद थाना क्षेत्र के वसीरपुर गांव निवासी एक युवती ने अपने पति पर दहेज न मिंलने पर दूसरी शादी करने का आरोप लगाया है। पीड़िता ने कहा कि तीन लाख का जेवरात मांगने की जिद पर अड़े ससुराल पक्ष के लोगों ने मेरे पति का निकाह दूसरी अन्य लड़की से करा दिया। जबकि उसने मुझे तलाक भी नहीं दिया है। चोरी छुपे कराई गई दूसरी शादी के बाबत जब पुलिस ने दबाव बनाया तो आरोपी पक्ष के लोग घर में ताला बंद कर फरार हो गए। पीड़ित विवाहिता ने कहा कि उसे जल्द न्याय नहीं मिला तो वह मुख्यमंत्री कार्यालय में शिकायत करेंगी। वसीरपुर गांव निवासी नसरीन पुत्री अफसल ने 10 जुलाई 24 को रामनगर भरसड़ा में रहने वाले फैसल अमीन पुत्र अब्दुल अमीन के साथ किया था। दोनो ने यह शादी अपने प्रेम सम्बन्ध में की थी। शादी के बाद नसरीन वाराणसी के फूलपुर स्थित एक फैक्टरी में काम करने लगी। वही पर वह किराए के घर मे पति के साथ रहती थी। 24 अप्रैल से फैसल बहाना बनाकर अपने माँ बाप के पास आ गया। जहां पर तय कार्यक्रम के अनुसार 27 अप्रैल को फैसल का वाराणसी में दूसरी एक अन्य लड़की से निकाह कराया गया।इसकी जानकारी जब नसरीन को हुई तो उसके पैरों तले जमीन खिसक गई। उसने फसल के परिवार के लोगों से जानकारी की और बताया कि उसका पहले निकाह हो चुका है वह बताओ पत्नी के रूप में उसके साथ रहती है तो उन लोगों ने उसे फैसल की पत्नी करने से इनकार कर दिया। आखिरकार थकहार कर नसरीन सीधे फैसल के घर ही पहुंच गई। वहां से पूरा परिवार ताला बंद करके फरार था। पास पड़ोस के लोगों से पूछा तो मालूम हुआ की फैसल की दूसरी शादी करने के बाद से ही यह लोग कहीं और चले गए हैं। इसके बाद नसरीन जफराबाद थाना प्रभारी के पास पहुंच कर आप बीती सुनाई। और उन्हें ससुराल पक्ष के लोगों के खिलाफ दहेज के नाम पर तीन लाख का जेवरात मांगने का आरोप लगाते हुए प्रार्थना पत्र दिया।नसरीन ने बताया कि उससे फैसल के घर वाले एक लाख के करीब नगद ले चुके हैं। मुझसे और दहेज की मांग की जा रही

फंदे से लटका मिला युवक का शव, जांच में जुटी पुलिस

कानपुर (उत्तरशक्ति)। श्यामनगर में एक कारोबारी के बंगले में रविवार सुबह नौकर का शव फंदे से लटका हुआ मिला। पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल की जांच की। बड़े भाई ने मामला संदिग्ध बताया है। बिहार के मधुबनी जिले के ग्राम परसौली निवासी विपती मुखिया का बेटा सिकेंदर कुमार (18) पिछले दो वर्षों से श्याम नगर में रहने वाले शोरूम कारोबारी राजेश गुप्ता के बंगले में काम कर रहा था। वह बंगले के सर्वेंट क्वाटर में रहता था। बड़े भाई राजा ने बताया कि उनकी शनिवार रात करीब नौ बजे सिकेंदर से मोबाइल पर बातचीत हुई थी। उसने एक-दो दिन में मिलने की भी बात कही थी, लेकिन रविवार सुबह उसका शव फंदे से लटका मिला। सिकेंदर के दोनों पैर मुड़े हुए और जमीन को छू रहे थे। घटना के पीछे क्या कारण है, इसका पता नहीं है। पुलिस को मामले की जांच करनी चाहिए। चकेरी इंस्पेक्टर संतोष कुमार शुक्ला ने बताया कि युवक ने आत्महत्या की है।